राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्षः 11 अंकः 207 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, मंगलवार , 08 फरवरी 2022 मूल्यः 1.50/-

संक्षिप्त समाचार

अरुणाचल प्रदेश में हिमस्खलन में फंसे 7 सैन्यकर्मी, बचाव अभियान शुरू

नयी दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के कामेंग सेक्टर में ऊंचाई पर स्थित इलाके में हिमस्खलन होने से उसमें भारतीय सेना के कम से कम 7 कर्मी फंस गए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को कहा कि फ ंसे हुए लोगों का पता लगाने के लिए तलाश और बचाव कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि सैन्यकर्मी एक गश्ती दल में शामिल थे और वे रविवार को आए हिमस्खलन में फंस गए। एक सूत्र ने कहा, अभी तलाश और बचाव कार्य जारी है। राहत कार्य में सहायता के लिए विशेषज्ञों के दल को हवाई मार्ग से पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा, इलाके में पिछले कुछ दिन से मौसम खराब है और भारी बर्फबारी हो रही है।

यह चुनाव गोवा के भविष्य के लिए हैं अहम: प्रियंका गांधी

पणजी (एजेंसी)। प्रियंका गांधी सोमवार को गोवा पहुंची और उन्होंने गोवा विधानसभा चुनाव से पहले साउथ गोवा के नुवेम में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह चुनाव ना केवल राजनीतिक दलों के लिए बल्कि गोवा के भविष्य के लिए भी काफी अहम हैं।

गेवा संसाधनों, प्राकृतिक सौंदर्य और कौशल में समृद्ध है, लेकिन बेरोजगारी इसकी सबसे बड़ी समस्या है। भारत में यह दूसरा राज्य है जहां बेरोजगारी बहुत है।

लोकसभा में पीएम मोदी ने साधा विपक्ष पर निशाना, बोले, बहुत लोगों की सुई 2014 पर ही टिकी हुई है

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में जवाब दे रहे हैं। लोकसभा में पीएम मोदी ने कहा कि आज गरीब को घर मिल रहा है। आज घर बनाने की कीमत लाख रुपए से अधिक है। गरीब को पक्का घर मिलने पर वह लखपति की श्रेणी में आ जाता है। पक्के घर के साथ-साथ रसोई गैस और बैंक खाते मिले हैं। पीएम मोदी ने कहा कि अगर आप जमीन से जुड़े हुए होते तो आपको ये चीजें दिखाई देती। बहुत लोगों की सुई 2014 पर ही टिकी हुई है। देश की जनता आपको पहचान गई है। राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान पीएम मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग ये भूल गए हैं कि आपने भी 50 साल इधर बैठकर राज किया है।

पीएम मोदी की मतदाताओं से अपील

याद रखें आप यूपी के लिए ही नहीं देश के लिए भी वोट दे रहे हैं

(संवाददाता)

बिजनौर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनाने की मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि वोट डालते समय इस बात का ध्यान रखें कि वे यूपी के लिये ही नहीं बल्कि देश के लिये भी वोट दे रहे हैं।उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव के पहले चरण में 10 फ रवरी को होने वाले मतदान से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को बिजनौर में वर्चुअल माध्यम से एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास के बिना, देश का विकास संभव नहीं है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिये किये गये बेहतर उपायों का जिक्र करते हुए मतदाताओं से देश हित को ध्यान में रखकर भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा, ''जब आप वोट डालने जायें तो ये भी जरूर याद रखें कि आप यूपी के लिए ही नहीं बल्कि देश के लिए भी वोट दे रहे हैं। आप यूपी के मतदाता है, यूपी के विकास के बिना देश का विकास नहीं हो सकता है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में विधान सभा की 403 सीटों पर 10 फरवरी से 07 मार्च तक, सात चरण में मतदान होगा। पहले चरण में 10 फरवरी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 11 जिलों की 58 विधान सभा सीटों पर मतदान होगा। मोदी ने दूसरे चरण के मतदान वाले बिजनौर, अमरोहा और मुरादाबाद जिलों के मतदाताओं को जन चौपाल सभा में संबोधित करते हुए अपील की, ''इस चुनाव में और कुछ नहीं देखना है, केवल कमल छाप देखना है, केवल भाजपा को देखना है। भाजपा आएगी तो आपकी सुरक्षा होगी। इससे पहले उन्होंने योगी सरकार में अपराधियों के साथ बरती गयी सख्ती के कारण ही उत्तर प्रदेश में, खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बहाल होने का दावा करते हुए कहा कि अब इस इलाके में सभी समुदायों के लोग बेखौफ होकर रह पा रहे हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि योगी सरकार में खुद जेल जाने वाले अपराधी सालों से उत्तर प्रदेश के इस चुनाव का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जेल में बंद अपराधियों को एक ही उम्मीद है कि जल्दी से जल्दी चुनाव आये और कैसे भी यह सरकार बदल जाये ताकि वो जेल से बाहर आ सकें। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये अपराधी मना रहे हैं कि किसी भी तरह पुरानी वाली माफियाराज वाली सरकार आ जाये। जो अपराधी यूपी छोड़कर भाग गये थे वे उम्मीद लगाये बैठे हैं कि सरकार बदले और वो लौटकर वापस उप्र आयें। उन्होंने मतदाताओं को आगाह करते हुए कहा, ''ये अपराधी चाहते हैं कि लूट, डकैती और छिनैती का जो धंधा पाँच साल से ठप्प पड़ा है, यूपी की जनता से उसकी भरपाई करें।

बसपा सुप्रीमो मायावती का जुबानी हमला, कहा, दलित, पिछड़ा वर्ग विरोधी है कांग्रेस

संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस को दलित विरोधी मानसिकता वाली पार्टी बताते हुए बहुजन समाज पार्टी मायावती ने सोमवार को कहा कि देश की सत्ता में सबसे अधिक समय तक रहने वाली कांग्रेस ने दलित, वंचित और पिछड़े वर्ग के उत्थान का प्रयास नहीं किया। बरेली में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से देश और अधिकतर राज्यों में कांग्रेस ने लंबे समय तक शासन किया मगर अपने कार्यकाल में उसने दलित और पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिये कभी असरदार कदम नहीं उठाये। अपनी गलत नीतियों और कार्यप्रणाली की वजह से आज कांग्रेस केन्द्र और अन्य राज्यों से बाहर हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दलित उपेक्षित वर्गों के मसीहा बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर को भारत रत्न से सम्मानित नहीं किया बल्कि उनके निधन पर भी इस पार्टी ने उनके सम्मान में एक दिन के राष्ट्रीय शोक को भी उचित नहीं समझा। दलित के उत्थान के लिये मंडल कमीशन की रिपोर्ट को भी कांग्रेस ने लागू नहीं किया था। बाद में हालांकि वीपी सिंह की सरकार में बसपा के प्रयास से मंडल कमीशन की रिपोर्ट को अमली जामा पहनाया गया। बसपा नेता ने कहा कि सत्ता से बाहर रहने पर कांग्रेस को दलित, पिछड़ा और महिलाओं के हितों की बात सुहाती है और सत्ता मिलने पर उसके लिये ये वादे दोयम दर्जे को हो जाते है। न तो उसे विकास का ध्यान आता है और न ही महिलाओं की भागीदारी की बातें अच्छी लगती है।

केरजीवाल ने उत्तराखंड में किया 24 घंटे फ्री बिजली देने का वादा

अगर ऐसा न हुआ तो मिलेंगे 5 हजार रुपए महीना

हरिद्वार उत्तराखंड के विधानसभा चुनाव से पहले आप के संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने जनता से बड़े बड़े वादे किए। आम आदमी पार्टी वोटरों को लुभाने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं इश बीच केजरीवाल ने लोगों से मुफ्त बिजली और रोजगार सहित कई बड़े वादे किए। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आने वाले चुनाव में अगर इन पार्टियों (कांग्रेस-बीजेपी) को मौका दे देंगे तो कुछ नहीं बदलेगा. दिल्ली में 7 साल से

आम आदमी पार्टी की सरकार है और इस पार्टी ने दिल्ली में अभूतपूर्व विकास किया है। बहुत सारे काम किए हैं, इसके साथ ही उन्होंने दोहराया कि आप दिल्ली में फोन करके पूछो अगर कोई कहें कि हमने दिल्ली में काम नहीं किया तो आप मुझे वोट मत देना। आईए जानते हैं केजरीवाल ने उत्तराखंड की जनता से कौन-कौन से वादे किए। इसके साथ ही अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस सब से हर परिवार को एक साल में दो लाख का फायदा होगा और पांच साल में दस लाख का फायदा होगा। ये केवल हम ही कर सकते हैं. हमने किया है। उन्होंने कहा कि अगर किसी को लगता है कि केजरीवाल झूठ बोल रहा है तो दिल्ली में अपने रिश्तेदारों को पूछें। अगर वो कहेंगे कि अच्छा काम नहीं किया तो मुझे वोट मत देना।

सुप्रीमकोर्ट ने नोएडा में सुपरटेक के 40 मंजिला ट्विन टावर को ध्वस्त करने की कार्रवाई 2 हफ्ते में शुरू करने के दिये निर्देश

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीमोकोर्ट ने सोमवार को अधिकारियों को रियल्टी फर्म सुपरटेक लिमिटेड के नोएडा में एमेराल्ड कोर्ट परियोजना के 40 मंजिला ट्विन टावर को ध्वस्त करने की कार्रवाई दो हफ्ते के अंदर शुरू करने का निर्देश दिया। जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़ और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने नोएडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को 72 घंटे के अंदर एक बैठक बुलाने का भी निर्देश दिया, जिसमें सभी संबद्ध एजेंसियां उपस्थित रहें। पीठ ने कहा, 'सीईओ

नोएडा इस न्यायालय के निर्देशों का अनुपालन करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे, इस आदेश के दो हफ्ते के अंदर ध्वस्त करने का कार्य शुरू किया जाए। उल्लेखनीय है कि 12 जनवरी को न्यायालय ने नोएडा के सेक्टर 93 स्थित 40 मंजिला इस ट्विन टावर को ध्वस्त करने के आदेश का अनुपालन नहीं करने को लेकर बिल्डर को फटकार लगाई थी और इसके निदेशकों को न्यायालय में अनुपस्थित रहने पर जेल भेजने की चेतावनी दी थी। उल्लेखनीय है कि नोएडा अधिकारियों के साथ सांठगांठ कर भवन नियमों का उल्लंघन करने को लेकर इन निर्माणाधीन इमारतों को तीन महीने के अंदर ध्वस्त करने का पिछले साल 31 अगस्त को न्यायालय ने आदेश दिया था।

राष्ट्रपति अभिभाषण 'निराशाजनक, जमीनी हकीकत व मौजूदा चुनौतियों का उल्लेख न होना 'दुर्भाग्यपूर्ण: कांग्रेस

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में हुए राष्ट्रपति के अभिभाषण को निराशाजनक करार देते हुए सोमवार को कहा कि इसमें जमीनी हकीकत और मौजूदा चुनौतियों का उल्लेख नहीं किया जाना ''दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने समाज में दूरियां बढ़ने और अमीर व गरीब के बीच खाई गहरी होने का दावा करते हुए कहा कि घृणा और हिंसा से देश का हित नहीं होता। राज्यसभा में अभिभाषण पर पेश धन्यवाद प्रस्ताव पर जारी चर्चा में हिस्सा लेते हुए उन्होंने कहा, ''एक लकीर खींची जा रही है...बांटने की बातें की जा रही है...कई संगठन हैं जो घृणा फैला रहे हैं और हिंसा करते हैं। यह किसी का हित नहीं करते। हम नहीं चाहते कि भारत की ऐसी छवि बने। हम वही चाहते हैं जो विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस और गांधी के दर्शन में है। कृपा कर उसको बचा कर रखें। यह दूसरा दर्शन बड़ा खतरनाक है। उन्होंने कहा, ''यह हम सबका है और सभी को मिलकर इसे आगे लेकर जाना है। अगर बच्चों के दिमाग में...नौजवानों के दिन में लकीरें खींची जाएंगी तो यह भारत की आत्मा पर घाव होगा, जिसकी कीमत देश को चुकानी पड़ेगी।श्श् शर्मा ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में उम्मीद की जाती है कि वस्तु स्थिति के बारे में ईमानदारी से देश को अवगत कराया जाए और जो कमियां हैं, उनको सुधारा जाए तथा जो चुनौतियां देश के सामने हैं, उनसे भी देश को आगाह किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्यपूर्ण है, इनकी कोई चर्चा नहीं है। यह निराशाजनक है। जमीनी हकीकत और चुनौतियों को नजरअंदाज करता है। उन्होंने कहा कि अभिभाषण में एक 'सुनहरी तस्वीर दिखाई गई है और एक ऐसी तस्वीर पेश की गई कि देश चिंतामुक्त और खुशहाल है तथा विश्व में आर्थिक प्रगति में पहले नंबर पर है और हर मोर्चे पर कामयाब है। बेरोजगारी को देश के समक्ष बहुत बड़ी चुनौती करार देते हुए शर्मा ने कहा कि यह स्थिति बेहद ''खौफ नाक है। आर्थिक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कांग्रेस सदस्य ने कहा कि आज देश के 42 करोड़ युवा बेरोजगार हैं। उन्होंने कहा, ''गरीबों और अमीरों के बीच की खाई बढ़ती जा रही है, रोजगार और उद्योग व बाजार टूट रहे हैं। नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने का जिक्र करते हुए शर्मा ने कहा कि अगर अमीर और गरीब के बीच की खाई बढ़ती जाए तो समाज इसे स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा, ''आज एक प्रतिशत भारतवासियों के पास देश का 42.5 प्रतिशत पैसा है और 10 प्रतिशत के पास 74.3 प्रतिशत पैसे हैं। इस स्थिति पर गौर करना पड़ेगा।श्श् सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा 2014 के बाद देश का ''असली विकास होने के दावों पर तंज कसते हुए शर्मा ने कहा कि भारत का उदय 2014 में नहीं हुआ बल्कि यह 72 साल का एक सफर है। उन्होंने कहा, ''देश में पहला आईआईटी 1951 में बना था... 1974 में भारत में पहला परमाणु विस्फ ोट हुआ था.. हम अंतरिक्ष में गए। हम उन लोगों में नहीं है, जो कहेंगे कि हमारी सरकार में ही सब कुछ हुआ। हम बंजर भारत नहीं छोड़ कर गए थे बल्कि एक परमाणु शक्ति बनाकर गए थे। दो 'ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था छोड़ कर गए थे। हमने सब किया कि मानसिकता से देश का भला नहीं होगा। अभिभाषण में राष्ट्रीय सुरक्षा का कोई जिक्र नहीं होने का उल्लेख करते हुए शर्मा ने कहा कि आज लद्दाख से लेकर अरुणाचल तक चीन के साथ सीमा पर गतिरोध बना हुआ है।

भाजपा को अपना नाम बदलकर भाझपा कर लेना चाहिए: अखिलेश यादव

(संवाददाता)

सहारनपुर। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि इस पार्टी का जो जितना बड़ा नेता है वह उतना बड़ा झूठ बोल रहा है इसलिए भाजपा को अपना नाम बदलकर भाझपा कर लेना चाहिए। अखिलेश ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह उत्तर प्रदेश के भविष्य का चुनाव है। भाजपा चुनाव को कहीं और ले जाना चाहती है। वह आरोप की राजनीति कर रही है। हमने देखा है कि जितना बड़ा भाजपा का नेता है, वह उतना ही बड़ा झूठ बोल रहा है। जिस तरीके से भाजपा लगातार झांसा दे रही है, झगड़ाने का काम कर रही है और झूठ बोल रही है, अब भाजपा को अपना नाम भी बदल लेना चाहिए। भाजपा की जगह भाझपा कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों देश के गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हाल ही में एक इत्र व्यापारी के घर पर छापामार कार्रवाई के दौरान जो धन निकला था वह समाजवादियों का था। इससे बड़ा झूठ और क्या हो सकता है। देश के बड़े-बड़े पदों पर बैठे लोग झूठ बोल रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे खुशी है इस बात की हाल ही में बीबीसी ने एक फै क्ट चेक किया कि जो भाजपा के नेता बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं, क्या वे सच बोल रहे हैं। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो का जो आंकड़ा है कोई और ही तस्वीर दिखाता है। बीबीसी ने फै क्ट चेक कर करके बताए कि आखिरकार कानून-व्यवस्था कहां खड़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज देश में महिलाएं अगर सबसे ज्यादा कहीं असुरक्षित हैं तो वह उत्तर प्रदेश में ही हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग को सबसे ज्यादा शिकायतें उत्तर प्रदेश से ही मिली हैं और पुलिस हिरासत में सबसे ज्यादा मौतें उत्तर प्रदेश में ही हुई है और सबसे ज्यादा फर्जी मुठभेड़ भी उत्तर प्रदेश में ही हुई हैं। उन्होंने कहा, हमने देखा कि किस तरह से गृह राज्य मंत्री के बेटे ने किसानों पर गाड़ी चढ़ा दी। सरकार उसे बचाना चाहती थी। सरकार किसानों की तरह संविधान को भी टायर तले कुचलना चाहती थी। बिजनौर में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खराब मौसम के कारण डिजिटल माध्यम से रैली संबोधित किए जाने से जुड़े एक सवाल पर अखिलेश ने मजाकिया लहजे में कहा नहीं-नहीं मौसम की वजह से नहीं, कोई कारण दूसरा होगा।

कोविन' मंच पर पंजीकरण करने के लिए आधार कार्ड अनिवार्य नहीं

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। केन्द्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीमकोर्ट को बताया कि कोविड-19 रोधी टीकाकरण के वास्ते 'कोविनश् मंच पर पंजीकरण करने के लिए आधार कार्ड अनिवार्य नहीं है। जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़ और जस्टिस सूर्यकांत की एक पीठ को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बताया कि टीकाकरण के लिए पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, मतदान कार्ड, राशन कार्ड सहित 9 पहचान दस्तावेजों में से एक का ही होना अनिवार्य है। शीर्ष अदालत ने इस कथन पर गौर किया और सिद्धार्थशंकर शर्मा की याचिका का निपटारा किया। याचिका में दावा किया गया था कि 'कोविनश् मंच पर कोविड-19 रोधी टीकाकरण के लिए पंजीकृत कराने के लिए आधार कार्ड पर अनिवार्य रूप से जोर दिया जा रहा है। शीर्ष अदालत ने इस याचिका के संबंध में एक अक्तूबर, 2021 को केन्द्र सरकार को नोटिस जारी किया था। पीठ ने कहा, '' एक अक्टूबर, 2021 के इस अदालत के आदेश के अनुसार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक हलफनामा दाखिल किया है, जिसमें कहा गया है कि 'कोविनश् मंच पर पंजीकरण के लिए आधार कार्ड अनिवार्य नहीं है और नौ पहचान दस्तावेजों में से किसी एक को भी इसके लिए इस्तेमाल किया जा सकता है....हलफ नामे में यह भी कहा गया कि अन्य श्रेणी के लोगों के लिए प्रावधान किया गया है, जिनके पास पहचान पत्र नहीं हो सकते हैं जैसे जेल के कैदी, मानसिक स्वास्थ्य केन्द्रों के लोग आदि। अदालत ने कहा, 'केन्द्र के अधिवक्ता ने बताया है कि बिना पहचान पत्र वाले लगभग 87 लाख लोगों को टीके लगाए गए हैं। याचिकाकर्ता की शिकायत है कि उसे आधार कार्ड नहीं होने के कारण टीकाकरण से वंचित कर दिया गया था, इस समस्या का भी हलफनामे में निपटारा किया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने महाराष्ट्र के प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) को संबंधित निजी टीकाकरण केन्द्र के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए एक पत्र भेजा गया है, जिसने वैध पासपोर्ट आईडी होने के बावजूद याचिकाकर्ता को टीका लगाने से इनकार कर दिया था। याचिकाकर्ता की शिकायत का विधिवत निपटारा किया जाता है। सभी संबंधित अधिकारी सरकार की नीति के अनुसार कार्य करें। याचिका में भारत के नागरिक को दिए गए टीकाकरण के अधिकार की सुरक्षा के लिए पूरे देश में पहले से ही अधिसूचित नियमोंध्नीतियों को प्रभावी और गैर-भेदभावपूर्ण तरीके से लागू करने का अनुरोध किया गया था।

ओवैसी पर हुए जानवेला हमले पर राज्यसभा में बोले अमित शाह

रूट की जानकारी नहीं थी, सरकार की तरफ से दी गई जेड सुरक्षा ले लें

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश चुनाव प्रचार के दौरान लोकसभा सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की कार पर फायरिंग हुई थी जिसमें वह बाल बाल बचे। वहीं इस मुद्दे पर आज गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में अपना पक्ष रखा। इस दौरान उन्होंने कहा कि रूट की जानकारी नहीं थी। उन्होंने बताया कि 3 फ रवरी 2022 को 5.30 पर सांसद जनसंपर्क से वापस लौट रहे थे, तब 2 अज्ञात व्यक्तियों ने उनकी गाड़ी पर गोली चलाई, इस घटना को तीन गवाहों ने देखा भी था। मामले में IPC की धारा 307 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। राज्यसभा में एक बयान में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश में ओवैसी के काफिले पर हुए हमले की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि उनके खतरे का पुन:मुल्यांकन करने के बाद और खतरे के आकलन के आधार पर ओवैसी को बुलेट प्रूफ कार के साथ ही अखिल भारतीय स्तर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि हमारे पास मौखिक सूचना ओवैसी के द्वारा भेजी गई कि उन्होंने अभी भी सुरक्षा लेने से इनकार किया है। मैं सदन के माध्यम से ओवेसी से विनम्र विनती करना चाहूंगा कि वह तत्काल सुरक्षा ले लें और हम सबकी चिंता का समाधान करें।

शाह ने कहा कि पहले भी कई मौकों पर केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के खतरे के आकलन के आधार पर ओवैसी को सुरक्षा प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार ने निर्देश जारी किए हैं लेकिन ओवैसी द्वारा सुरक्षा लेने की अनिच्छा के कारण दिल्ली पुलिस और तेलंगाना पुलिस द्वारा उन्हें सुरक्षा देने का प्रयास सफ ल नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि तीन फरवरी को शाम लगभग 5. 20 बजे ओवैसी मेरठ के किठौर से जनसंपर्क कार्यक्रम करने के बाद दिल्ली लौट रहे थे और जब उनका काफि ला छिजारसी टोल प्लाजा, पिलखुवा से गुजर रहा था तो दो अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा उनके काफिले पर गोलियां चलाई गई। उन्होंने कहा कि इस घटना में ओवैसी सुरक्षित बच गए लेकिन उनके वाहन के निचले हिस्से में तीन गोलियों के निशान देखे गए और इसे तीन गवाहों द्वारा देखा भी गया। उन्होंने कहा कि मामले में विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है और इसकी विवेचना की जा रही है।

शाह ने इस अवसर पर भी कहा कि ओवैसी का पूर्व से कोई कार्यक्रम तय नहीं था और ना ही आवागमन के बारे में उनकी ओर से कोई पूर्व सूचना जिला नियंत्रण कक्ष को दी गई थी। उन्होंने कहा कि ओवैसी सुरक्षित दिल्ली पहुंच गए। जनपद के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। विवेचना के क्रम में स्थानीय पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया और उनसे दो अनधिकृत पिस्तौल और एक अल्टो कार बरामद की गई। शाह ने कहा कि घटनास्थल और वाहन का फॉरेंसिक दल द्वारा ''सूक्ष्मता'' से जांच की जा रही है और साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों अभियुक्तों से उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है।

श्रीलंका के विदेश मंत्री मंत्री भारत यात्रा पर, निवेश और मछुआरों के मुद्दों पर होगी बात

नई दिल्ली । भारत की तरफ से श्रीलंका को 50 करोड़ डॉलर की ऋण सहायता देने की घोषणा करने के बाद श्रीलंका के विदेश मंत्री जी एल पीरिस तीन दिन की आधिकारिक यात्रा पर भारत पहुंचे। सोमवार को उनकी अपने भारतीय समकक्ष एस. जयशंकर से मुलाकात हुई। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला भी सोमवार को श्रीलंकाई विदेश मंत्री से मुलाकात करेंगे। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ट्वीट कर कहा कि मुझे श्रीलंका के विदेश मंत्री का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है।

गौरतलब है कि श्रीलंका के विदेश मंत्री पीरिस की भारत यात्रा ऐसे समय हो रही है जब कुछ ही दिन पहले भारत ने गहरे वित्तीय और ऊर्जा संकट से जूझ रहे पड़ोसी देश श्रीलंका को ईंधन खरीद के वित्तपोषण के लिए 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा देने की घोषणा की थी।

समझा जाता है कि इस यात्रा के दौरान दोनों पक्ष व्यापार और निवेश सहित द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे। मछुआरों के मुद्दे पर भी

श्रीलंका के विदेश मंत्री पीरिस की भारत यात्रा ऐसे समय हो रही है जब कुछ ही दिन पहले भारत ने गहरे वित्तीय और ऊर्जा संकट से जूझ रहे पड़ोसी देश श्रीलंका को ईंधन खरीद के वित्तपोषण के लिए 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा देने की घोषणा की थी.

बातचीत होने की संभावना है।

श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में भारतीय उच्चायोग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, पड़ोसी देश को पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद के लिए 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा देने के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किए गए।

भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने गत 15 जनवरी को राजपक्षे के साथ हुई ऑनलाइन बैठक में श्रीलंका को ऋण सहायता देने पर सहमति जताई थी। वित्तीय संकट का सामना कर रहे श्रीलंका को तेल की खरीद के लिए फौरी राहत की जरूरत को देखते हुए भारत ने यह सुविधा देने की घोषणा की थी।

पीरिस की यात्रा के दौरान ऐसी संभावना है कि भारत उनसे एकीकृत श्रीलंका के भीतर समानता के लिए उस देश में रह रहे तमिल लोगों की आकांक्षाएं पूरी करने की आवश्यकता पर भी बातचीत करें।

इस बीच श्रीलंका के उत्तरी जाफना प्रायद्वीप की एक अदालत ने जिन 56 भारतीय मछुआरों को रिहा करने का पिछले महीने आदेश दिया था, उन्हें कोविड-19 संबंधी पृथकवास अवधि समाप्त होने के बाद सोमवार को यहां एक आव्रजन हिरासत केंद्र में स्थानांतरित किया जाएगा। कारागार प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। कारागार अधीक्षक एवं प्रवक्ता चंदना एकनायके ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा से कहा कि भारतीय मछुआरों ने 25 जनवरी को अपनी रिहाई के बाद उत्तरी प्रांत के इयाक्काच्ची में जेल द्वारा संचालित कोविड-19 पृथक-वास केंद्र में पृथक-वास की अवधि पूरी कर ली है।

एकनायके ने कहा, ''उनमें में कुछ मछुआरे संक्रमित पाए गए थे और अब उनके पृथक-वास की अवधि पूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि उन्हें सोमवार को कोलंबो में एक आव्रजन हिरासत केंद्र में ले जाया जाएगा।

सीरिया में कैद हैं सैकड़ों बच्चों के सपने, संयुक्त राष्ट्र भी निराश

दमिश्क। दक्षिण-पश्चिम एशियाई देश सीरिया में बीते 11 वर्षों से लड़ाई का सर्वाधिक खामियाजा बच्चे भुगत रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने हाल ही में सीरियाई जेलों का दौरा कर पाया कि वहां जेलों में सैकड़ों बच्चों के सपने कैद हैं। तमाम प्रयासों के बाद भी इन बच्चों को आजादी न मिलने से संयुक्त राष्ट्र भी निराश है।

सीरिया में पिछले 11 वर्ष से जारी भीषण लड़ाई और अशांति ने वहां के बच्चों का ना सिर्फ़ बचपन तबाह कर दिया है बल्कि उनके अधिकारों की धज्जियां उड़ा दी हैं। बड़े पैमाने पर लड़कों और लड़कियों की हत्याएं हुई हैं और उन्हें उत्पीड़न, बलात्कार और यौन शोषण का भी शिकार होना पड़ा है। इसके अलावा सैकड़ों बच्चे सीरिया की जेलों में कैद होकर अपने सपनों से समझौता करने को विवश हैं। दुनिया में बच्चों के अधिकारों की चिंता करने वाली संयुक्त राष्ट्र संघ की एजेंसी यूनिसेफ के प्रतिनिधियों ने सीरिया की जेलों का दौरा कर वहां उनकी दयनीय स्थिति को लेकर चिंता जाहिर की है।

सीरिया में यूनिसेफ के प्रतिनिधि विक्टर नाइलंद ने कहा कि जेलों में बंद बच्चों की स्थिति अविश्वसनीय रूप से बहुत खराब है। नाइलंद ने कहा कि यूनिसेफ इन बच्चों के साथ हो रहे अत्याचार का दीर्घकालिक समाधान खोजने पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों को महज इस कारण हिरासत में नहीं लिया जाना चाहिए वे किसी सशस्त्र समूह से जुड़े हैं। ऐसे बच्चों को तो हमेशा संघर्ष के पीड़ित के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए।

पाकिस्तान में अहमदी समुदाय की करीब 50 कब्रों को अपवित्र किया गया : समुदाय सदस्य का दावा

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अहमदी समुदाय की एक कब्रिस्तान में करीब 50 कब्रों को पुलिस और मुस्लिम धर्मगुरुओं ने कथित तौर पर अपवित्र कर दिया है। अल्पसंख्यक समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संगठन के एक सदस्य ने सोमवार को यह कहा।

जमात अहमदिया पंजाब के प्रवक्ता आमिर महमूद ने कहा कि लाहौर से करीब 110 किमी दूर हफीजाबाद जिले के प्रेमकोट में लोगों के एक समूह ने यह शिकायत लेकर पुलिस से संपर्क किया कि अहमदी समुदाय के कब्रिस्तान में कई कब्रों के पास लगे स्तंभों पर इस्लामी आयतें खुदी हुई हैं।

उन्होंने कहा कि समूह ने धमकी दी कि अहमदी अपने घरों या कब्रों पर इस्लामी आयतें/ चिह्न नहीं प्रदर्शित कर सकते हैं।

महमूद ने बताया, ''रविवार को, स्थानीय धर्मगुरुओं और वकीलों के साथ पुलिस अहमदी कब्रिस्तान पहुंची और 45 कब्रों के पास लगे स्तंभों को गिरा दिया। इन स्तंभों पर इस्लामी आयतें खुदी हुई थीं।''

वहीं, दूसरी ओर पुलिस ने कहा कि कब्र पर से स्तंभों को वकीलों के एक समूह की अर्जी पर हटाया गया है और चेतावनी दी कि अहमदी भविष्य में इसका इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं।

इमरान खान के इस महीने के अंत में रूस की पहली यात्रा पर जाने की उम्मीद

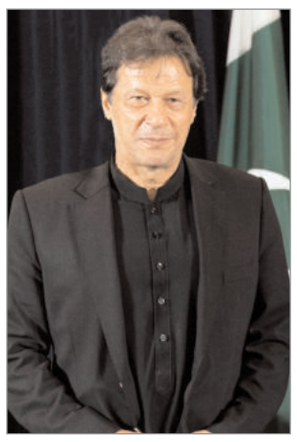

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के इस महीने के अंत में रूस की महत्वपूर्ण यात्रा पर जाने की उम्मीद है, जो दो दशकों में किसी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की पहली मॉस्को यात्रा होगी।

'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने राजनयिक सूत्रों के हवाले से बताया कि खान के 23 से 26 फरवरी के बीच रूस जाने की उम्मीद है।

उनकी रूस की यात्रा चीन की उनकी यात्रा के बाद होने की उम्मीद है, जहां उन्होंने बीजिंग ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में भाग लिया और राष्ट्रपति शी चिनफिंग सहित शीर्ष चीनी नेतृत्व के साथ बातचीत की। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी इस समारोह में शामिल हुए थे। चीन के शिनजियांग प्रांत में बीजिंग की कथित मानवाधिकार नीतियों को लेकर अमेरिका, यूरोपीय संघ और कई पश्चिमी देशों द्वारा इस कार्यक्रम का राजनयिक बहिष्कार किया गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने खान की रूस की यात्रा संबंधी खबर की पुष्टि करने से परहेज करते हुए कहा कि इसके लिए विदेश मंत्रालय से संपर्क किया जाना चाहिए।

खान की रूस यात्रा को पश्चिम के लिए एक स्पष्ट संकेत माना जा रहा है, खासकर तब जब उन्होंने अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी के बाद पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने देने के मुद्दे पर अमेरिका को स्पष्ट रूप से मना कर दिया और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने जनवरी 2021 में पदभार ग्रहण करने के बाद से खान को फोन तक नहीं किया।

इस बीच, राजनयिक सूत्रों ने पुष्टि की है कि तारीखों को अंतिम रूप दे दिया गया है और अगर आखिरी मिनट में कोई बदलाव नहीं होता है तो खान तथा राष्ट्रपति पुतिन फरवरी के आखिरी सप्ताह में मिलेंगे।

रूस ने फिर कश्मीर को बताया भारत और पाकिस्तान के बीच का मसला

मास्को। चीन के रास्ते रूस के साथ रिश्तों की मजबूती की कोशिश में लगे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को फिलहाल निराशा ही हाथ लगी है। रूस ने एक बार फिर कश्मीर को भारत और पाकिस्तान के बीच का द्विपक्षीय मसला करार दिया है।

पिछले दिनों एक रूसी मीडिया संगठन रेडफिश ने कश्मीर के बारे में टिप्पणी करते हुए कहा था कि यह क्षेत्र एक और फलस्तीन बनने की ओर बढ़ रहा है। आरोप है कि इस मीडिया संगठन को रूस की सरकार का

समर्थन प्राप्त है। इस बयान को लेकर पाकिस्तान खासा उत्साहित था। अब रूस की सरकार ने ही पाकिस्तान के उत्साह पर पानी फेर दिया है।

रूस की ओर से जारी बयान में इस मीडिया संगठन की राय से स्वयं को अलग किया गया है। इस बयान में कहा गया है कि कश्मीर मुद्दे पर रूस की आधिकारिक स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। रूस इसे द्विपक्षीय मामला मानता है और रूस की नीति इस मसले पर कोई हस्तक्षेप न करने की है। कहा गया कि इस मसले का समाधान भारत और पाकिस्तान को ही आपस में मिलकर निकालना होगा। उम्मीद जाहिर की गयी है कि यह समाधान शिमला समझौते और लाहौर घोषणापत्र पर आधारित होगा।

दरअसल, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अगले महीने रूस जाने की योजना बना रहे हैं। पिछले दिनों रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन ने तालिबान को लेकर इमरान खान से कई बार विचार विमर्श किया है। कश्मीर के मसले पर पाकिस्तान लगातार तीसरे पक्ष की मध्यस्थता पर जोर दे रहा है लेकिन भारत इस पर सहमत नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया 21 फरवरी को पर्यटकों के लिए खोलेगा अंतरराष्ट्रीय सीमा

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया 21 फरवरी को पर्यटकों के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा खोलेगा, हालांकि केवल उन्हीं लोगों को देश में आने की अनुमति दी जायेगी, जो कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज ले चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने सोमवार को यह घोषणा की। उन्होंने नेशनल सिक्योरिटी कमेटी के साथ एक बैठक के बाद कहा, ÷मुझे पता है कि पर्यटन उद्योग इसके लिए इंतजार कर रहा होगा। अगले दो हफ्तों में उन्हें (पर्यटन उद्योग) ऑस्ट्रेलिया में अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों का स्वागत करने का अवसर मिलेगा।÷ उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में 21 फरवरी से आने वाले लोगों को कोरोना वैक्सीन की दो डोज लेना अनिवार्य होगा। गौरतलब है कि श्री मॉरिसन ने गत वर्ष अक्टूबर में कहा था कि विदेशी नागरिकों के लिए ऑस्ट्रेलिया की सीमाओं को 2022 में खोला जायेगा। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया में लगभग दो वर्ष बाद पर्यटकों को आने की इजाजत मिलेगी क्योंकि कोरोना महामारी के कारण मार्च 2020 से ऑस्ट्रेलिया की सीमाओं को विदेशियों के लिए ज्यादातर बंद रखा गया है।

कोविड-19: काठमांडू में पांबदियां की जाएंगी कम, स्कूल दोबारा खुलेंगे

काठमांडू। नेपाल की राजाधानी काठमांडू के प्रशासन ने कोविड-19 संबंधी पाबंदियों को कम करने, स्कूलों तथा खेल स्थलों को फिर से खोलने और धीरे-धीरे शहर के जीवन को पटरी पर लाने की सोमवार को घोषणा की।

कोरोना वायरस के 'ओमीक्रोन' स्वरूप के कारण मामले बढ़ने के बाद नेपाली सरकार ने पिछले महीने कई पाबंदियां लगाईं थी। स्कूल बंद कर दिए गए थे, धार्मिक त्योहारों पर रोक लगा दी गई थी और रेस्तरां में ग्राहकों की संख्या सीमित कर दी थी।

काठमांडू जिला प्रशासन ने एक बयान में कहा कि वह सोमवार से सड़क यातायात पर लगी पाबंदी हटा देगा, जिसके तहत वाहनों को एक दिन छोड़कर एक दिन सम-विषय आधार पर चलने की अनुमति थी।

बयान में कहा गया कि अगले सप्ताह से स्कूल और कॉलेज में कक्षाएं आयोजित करने की अनुमति दी जाएगी। पिछले महीने से बंद सिनेमाघर, जिम और अन्य सार्वजनिक स्थलों को भी सामान्य रूप से खोलने और संचालित करने की अनुमति दी जाएगी। खेल स्थलों और स्टेडियम को दर्शकों की आधी क्षमता के साथ खोलने की अनुमति होगी। लोगों को अपना टीकाकरण प्रमाण पत्र हमेशा अपने पास रखना होगा और सामाजिक दूरी बनाए रखने के नियम का पालन करना होगा। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, नेपाल की 52 प्रतिशत आबादी का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है, जिसमें छात्र और 12 या उससे अधिक आयु के बच्चे भी शामिल हैं।

दुबई प्लास्टिक बैग के इस्तेमाल पर शुल्क वसूलेगा

दुबई। दुबई सरकार ने सोमवार को ऐलान किया कि वह शहर में प्लास्टिक बैग के इस्तेमाल पर शुल्क वसूलेगी। सरकार ने कहा कि पर्यावरण संबंधी चिंता के कारण उसकी मंशा दो साल के अंदर प्लास्टिक बैग के इस्तेमाल को गैरकानूनी घोषित करने की है।

सरकार द्वारा संचालित दुबई मीडिया ऑफिस से जारी एक बयान में कहा गया कि 25 फिल शुल्क (छह सेंट) एक जुलाई से लगाया जाएगा। सरकार ने कहा, ''संपोषणीयता अब वैश्विक स्तर पर अनिवार्य हो गया है, जिसके तहत समाज के व्यवहार को इस तरह से बदलना है कि पर्यावरण प्रदूषण में वैयक्तिक योगदान को घटाया जा सके।'' सरकार ने कहा कि ऊंट और कछुए प्लास्टिक से मर रहे थे, इसलिए भी प्रतिबंध आवश्यक था। गगनचुंबी इमारतों वाले शहर में कुछ किराना स्टोर पहले से ही लोगों को खरीदारी के समय दोबारा इस्तेमाल करने योग्य बैग लाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

ट्रक चालकों ने घेरी राजधानी

ओटावा में आपातकाल का एलान

ओटावा। कनाडा की राजधानी ओटावा को ट्रक चालकों ने चारों तरफ से घेर लिया है। शहर के चारों ओर से बंद हो जाने के बाद ओटावा के मेयर ने आपातकाल का एलान कर दिया है।

कोरोना संकट से निपटने के लिए कनाडा की सरकार ने अमेरिका-कनाडा सीमा पर सभी ट्रक चालकों के लिए कोरोना टीकाकरण अनिवार्य कर दिया है। सरकार का आदेश है कि चालकों के कोरोना टीकाकरण के बाद ही ट्रक कनाडा में प्रवेश कर पाएंगे। इसके बाद से ट्रक चालक आंदोलित हैं।

ट्रक चालकों का आंदोलन इस कदर बढ़ गया है कि ट्रक चालकों ने कनाडा की राजधानी ओटावा को चारों ओर से घेर लिया है। इस कारण स्थानीय लोगों को को अत्यधिक संकट का सामना करना पड़ रहा है।

ट्रक चालकों द्वारा प्रशासन की एक नहीं सुनी जा रही है। इसके बाद ओटावा के मेयर जिम वॉटसन ने राजधानी में आपातकाल का एलान कर दिया है। प्रशासन का मानना है कि विरोध प्रदर्शनों के कारण आम नागरिकों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है। इसके लिए न्यायपालिका और सरकार के समर्थन की जरूरत भी महसूस की जा रही है।

ओटावा के मेयर जिम वॉटसन ने स्थिति को नियंत्रण के बाहर करार दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन करने वालों की संख्या इतनी अधिक है कि उनके आगे पुलिसकर्मी भी कम पड़ रहे हैं। निराश मेयर ने कहा कि उनकी संख्या कम है और वे लड़ाई हार रहे हैं।

ओटावा पुलिस ने 'फ्रीडम कॉन्वॉय' के दौरान सात लोगों को किया गिरफ्तार

ओटावा। कनाडा की राजधानी ओटावा में रविवार को 'फ्रीडम कॉन्वॉय' प्रदर्शनों के दौरान सात लोगों को गिरफ्तार किया गया तथा कई वाहन और ईंधन जब्त किये गये। पुलिस ने सोमवार को एक बयान में बताया कि रविवार सुबह एक व्यक्ति को निषिद्ध होने के बावजूद वाहन चलाने के लिए जबकि एक अन्य व्यक्ति को 'पुराने शहर में कारोबारी संपत्ति के नुकसान से संबंधित उपद्रव' के लिए गिरफ्तार किया गया। दिन में बाद में पांच और लोगों को उपद्रवों के लिए गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने कहा, ÷कई वाहन और ईंधन जब्त किये गये हैं तथा विभिन्न उल्लंघनों के लिए वाहन चालकों को 100 से अधिक टिकट जारी किये गये हैं। कन्फेडरेशन पार्क

को पूरी तरह से साफ कर दिया गया है और बाड़ लगा दी गई है।

पुलिस ने बताया कि प्रदर्शन से संबंधित 60 से अधिक आपराधिक जांच चल रही है। वे मुख्य रूप से उपद्रव, चोरी, नफरत पर आधारित अपराध और संपत्ति के नुकसान के लिए हैं।

इससे पहले रविवार को, ओटावा पुलिस ने ट्विटर पर चेतावनी दी थी कि प्रदर्शनकारियों को ईंधन जैसी भौतिक सहायता देने का प्रयास करने वालों को गिरफ्तार किया जा सकता है।

ओटावा के मेयर जिम वॉटसन ने रविवार को शहर में आपातकाल की घोषणा कर दी, सीएफआरए रेडियो को बताया कि शहर में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण से बाहर है।

कनाडा में कोरोना उपायों के खिलाफ विरोध की वर्तमान लहर जनवरी के अंत में शुरू हुई, जब हजारों ट्रक और अन्य प्रदर्शनकारी अमेरिका-कनाडा सीमा पार करने वाले ट्रक चालकों के लिए वैक्सीन अनिवार्य किये जाने का कड़ा विरोध व्यक्त करते हुए ओटावा में एकत्र हुए। कथित 'फ्रीडम कॉन्वॉय' प्रदर्शन आम तौर पर शांतिपूर्ण रहे हैं।

शुक्रवार को कनाडा के ओंटारियो प्रांत के प्रीमियर डग फोर्ड ने ओटावा में प्रदर्शनों को 'पेशा' कारार देते हुए लोगों से इसे समाप्त करने का आग्रह किया।

दुनियाभर में अब तक 10.05 अरब वैक्सीन की डोज दी गयी

वाशिंगटन। विश्वभर में कोरोना का प्रकोप जारी है तथा इस महामारी से अब तक करीब 39.50 करोड़ लोग संक्रमित हो चुके हैं जबकि संक्रमण के कारण 57.40 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच महामारी से बचाव के लिए दुनियाभर में अब तक 10.05 अरब वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर के मुताबिक अब तक विश्वभर में कुल 10,051,126,585 कोरोना के टीके लगाये जा चुके हैं। दुनिया भर में कोरोना संक्रमण के शीर्ष दस देशों में अमेरिका पहले स्थान पर है, जहां इस महामारी से अभी तक 7.65 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और 9,02,624 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, भारत में कुल संक्रमितों की संख्या 4,22,72,014 हो गई है। कोरोना से निजात पाने वालों की संख्या 40660202 हो गई है। फिलहाल यहां 1108938 सक्रिय मामले हैं, जबकि 502874 लोगों की मौत हो चुकी है। इटली में संक्रमितों की कुल संख्या 11,621,736 तक पहुंच गयी है, जबकि देश में मृतकों का आंकड़ा 148,771 हो गया है। ब्राजील में कोरोना से अब तक 2,65,46,399 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 6,32,514 लोगों की मौत हो चुकी है। फ्रांस में कोविड-19 से 2,08,87,052 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 1,33,501 लोगों की मौत हुई है। जर्मनी में वैश्विक महामारी से अभी तक 1,1147,509 लोग प्रभावित हुए हैं। देश में मृतकों का आंकड़ा 1,18,771 तक पहुंच गया है। वहीं, ब्रिटेन में अभी तक 1,79,23,816 लोग इस महामारी से प्रभावित हो चुके हैं, जबकि 1,58,856 लोगों की इस जानलेवा वायरस से मौत हो चुकी है। स्पेन में कोरोना से अब तक 1,01,99,716 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 94,040 लोगों की मौत हो चुकी है। तुर्की में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 1,22,38,501 तक पहुंच गई है। देश में कोरोना संक्रमण से अब तक 88,734 लोग जान गंवा चुके हैं। रूस में कोरोना के मामलों की संख्या बढ़कर 1,26,12,259 हो गई है और इस महामारी से अब तक 3,28,664 लोगों की मौत हो गयी है।

चंद्र नववर्ष पर कई देशों में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़े

सिंगापुर। कई एशियाई देशों में चंद्र नववर्ष मनाये जाने के बाद कोविड-19 के मामलों में वृद्धि हुई है। कोरोना वायरस के बहुत अधिक संक्रामक ओमिक्रोन स्वरूप के प्रसार के साथ ही आगामी सप्ताहों में संक्रमितों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

कई देशों में कोविड पाबंदियों के कारण भीड़ और लोगों के सैर-सपाटे कम होने के बाद भी कई एशियाई देशों में एक फरवरी को चंद्र नववर्ष मनाया गया। चीन में इसकी खूब धूम रहती है।

हांगकांग में रिकार्ड मामले सामने आए हैं और उसकी तथाकथित 'कोविड बिल्कुल नहीं' नीति धरी की धरी रह गयी। शहर में दो दिनों में स्थानीय संक्रमण के 300 से अधिक मामले सामने आये जो महामारी शुरू होने के बाद सर्वाधिक आंकड़ा है। प्रशासन को सभी मरीजों को अस्पतालों में भर्ती करना पड़ रहा है।

हांगकांग ने खुद को चीन की 'कोविड बिल्कुल नहीं' नीति के साथ कर लिया है जबकि कई अन्य देशों ने इस वायरस के साथ जीने का अपना रूख अपनाया है। प्रशासन उन इमारतों पर लॉकडाउन लगाता है जहां मामले अधिक होते हैं।

सिंगापुर में पिछले सप्ताह के अवकाश के बाद कोरोना वायरस के मामलों में नाटकीय वृद्धि हई और शुक्रवार को वे तीन गुना बढ़ कर 13000 तक चले गये। लेकिन पाबंदियों के चलते मामले घटे और रविवार को 7752 पर आ गये।

पूरे एशिया में प्रशासन के सामने ऐसी ही स्थिति है क्योंकि आसानी से फैलने वाला ओमीक्रोन

स्वरूप तेजी से पैर पसार रहा है।

जापान में रविवार को करीब 90,000 नये मामले सामने आये जिनमें 17,526 मामले टोक्यो से थे। स्थानीय ओमीक्रोन संक्रमण के मामलों में कमी नहीं आ रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि संक्रमण के ज्यादातर मामले बुजुर्गों में देखे जा रहे हैं। देश में कोविड रोधी टीके की बूस्टर खुराक लेने वालों की संख्या पांच फीसदी से भी कम है।

इंडोनेशिया में छह जनवरी को कोविड के 533 नए मामले आए और सात लोगों की जान गई। एक माह बाद रविवार को संक्रमण के दैनिक मामलों की संख्या 36,057 थी और मृतक संख्या 57 थी।

थाईलैंड में सोमवार को लगातार तीसरे दिन संक्रमण के दैनिक मामलों की संख्या 10,000 से अधिक थी। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि गंभीर रूप से बीमार मरीजों की संख्या कम हो रही है।

मलेशिया में सोमवार को 11,034 नए मामले सामने आए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने नववर्ष आयोजन को कोविड मामलों में वृद्धि का कारण बताते हुए दावा किया कि ज्यादातर मामलों में या तो लक्षण नहीं हैं या नहीं के बराबर हैं।

दक्षिण कोरिया में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने फरवरी के आखिर तक दैनिक मामले 130,000 से बढ़ कर 170,000 हो जाने की आशंका जताई है।

वियतनाम में अधिकारियों ने नववर्ष के अवकाश के बाद संक्रमण के मामलो में तेज वृद्धि होने की आशंका जताई है। वहीं फिलीपीन में रविवार को संक्रमण के करीब 8,300 नए मामले सामने आए। जनवरी के मध्य में देश में दैनिक मामलों की संख्या करीब 39,000 थी।

ऑस्ट्रेलिया 2 साल बाद 21 फरवरी से टूरिस्ट के लिए फिर खोलेगा सीमाए

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया 21 फरवरी से पूरी तरह से टीकाकरण करवाने वाले पर्यटकों के लिए अपनी सीमाओं को दोबारा खोल रहा है। प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने सोमवार को दुनिया के कुछ सबसे सख्त और सबसे लंबे समय तक चलने वाले महामारी यात्रा प्रतिबंधों को समाप्त करने की घोषणा की है। पीएम मॉरिसन ने कहा, ÷लगभग दो साल हो गए हैं जब हमने ऑस्ट्रेलिया की सीमाओं को बंद करने का फैसला किया था। ऑस्ट्रेलिया इस साल 21 फरवरी को सभी शेष वीज़ा धारकों के लिए हमारी सीमाओं को फिर से खोल देगा। बस शर्त यही है कि एंट्री लेने वालों का टीकाकरण हुआ होना चाहिए।

पिछले साल 20 मार्च को, ऑस्ट्रेलिया ने कोरोनोवायरस महामारी के कारण दुनिया के सबसे कठिन सीमा प्रतिबंधों की शुरुआत की थी। इस प्रतिबंध के बाद द्वीपीय महाद्वीप की लगभग सभी यात्राएं रुक गईं थी। इस बैन के खिलाफ आलोचकों ने आस्ट्रेलिया को ÷धर्मोपदेशक राज्य÷ करार दिया था। इन नियमों के चलते कई अपने परिवारों से बिछड़ गए थे। देश का बड़ा पर्यटन उद्योग प्रभावित हुआ था। इन प्रतिबंधों को लेकर देश में व्यापक बहस भी हुई थी।

नियमों ने परिवारों को विभाजित कर दिया है, देश के बड़े पर्यटन उद्योग को प्रभावित किया है और आधुनिक, खुले और बाहरी दिखने वाले राष्ट्र के रूप में ऑस्ट्रेलिया की स्थिति के बारे में कभी-कभी तीखी बहस को प्रेरित किया है।

वृद्धा पेंशन और राशन कार्ड के मुद्दे को लेकर रमेश बिधूड़ी ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली।

दक्षिणी दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी ने एक बार फिर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निवास पर बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन दिल्ली सरकार द्वारा वृद्धा पेंशन और राशन कार्ड ना बनाने को लेकर किया गया। आपको बता दें सांसद रमेश बिधूड़ी इससे पूर्व भी कई बार अरविंद केजरीवाल के निवास पर प्रदर्शन कर चुके हैं। पूर्व में उन्होंने दिल्ली में बढ़ते शराब के ठेकों के संदर्भ में प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान रमेश बिधूड़ी ने कहा कि पिछले 7 सालों में दिल्ली सरकार ने एक भी नया राशन कार्ड नहीं बनाया है। राशन कार्ड बनवाने के लिए दिल्ली के लगभग 10 लाख लोगों ने पिछले 7 सालों में आवेदन किया है। केंद्र सरकार पिछले दो सालों से लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध करवा रही है। लोगों को यह मुफ्त राशन मार्च के महीने तक मिलता रहेगा। केजरीवाल ने लोगों के राशन कार्ड नहीं बनवाए जिसके कारण कोरोना संकट में लोगों को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ा। राशन कार्ड ना होने के कारण बड़ी संख्या में लोगों को राशन नहीं मिल पाया। लाखों की संख्या में दिल्ली में रहने वाले मजदूर लोगों ने पलायन किया। इन लोगों को परेशानी हुई इसके लिए अरविंद केजरीवाल जिम्मेवार है। दिल्ली के गरीब लोगों के सामने एक और बड़ा संकट आ रहा है। केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत मुफ्त राशन सेवा मार्च के महीने तक रहेगी उसके बाद लोगों को मुफ्त राशन मिल पाना संभव नहीं लग रहा है। ऐसे में गरीब लोग कैसे 25 रूपये किलो आटा और 45 रूपये किलो चीनी खरीद पाएंगे। एक तरफ तो दिल्ली सरकार लोगों को मुफ्त बिजली देने का दावा करती है । दूसरी और लोगों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं को रोक कर उनको प्रताड़ित कर रही है। इसके अलावा सांसद रमेश बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने पिछले 3 सालों से एक भी वृद्धा पेंशन को स्वीकृति नहीं दी है। पेंशन मिलना बुजुर्गों के लिए सम्मान की बात है। कई बार देखा जाता है कि घर में बुजुर्गों को उनके परिवार वाले सम्मान नहीं देते हैं। पेंशन मिलने से बुजुर्गों में आत्म सम्मान की भावना जगी रहती है। केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए जीएसटी के कारण दिल्ली का बजट लगभग दुगना हो गया है। इसके बावजूद भी दिल्ली सरकार बुजुर्गों को उनका हक नहीं दे रही है। दिल्ली का बजट बढ़ने के कारण बुजुर्गों की पेंशन तीन हजार कर दी जानी चाहिए पर दिल्ली सरकार पेंशन ही नहीं बना रही है। इसके आगे रमेश बिधूड़ी ने कहा कि अगर इन दोनों मांगों पर ठोस कदम नहीं उठाया गया तो वह अपने समर्थको और बुजुर्गों के साथ अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ जाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि दिल्ली के बुजुर्गों और गरीबों का हक अरविंद केजरीवाल मार रहे हैं। केजरीवाल दिल्ली को बर्बाद करने के लिए भरपूर प्रयास कर रहे है। दिल्ली में खोले जा रहे शराब के ठेकों के कारण दिल्ली के युवा गलत दिशा में चल रहे हैं। अगर ऐसा ही रहा तो वह दिन दूर नहीं जब दिल्ली का हाल पंजाब जैसा हो जाएगा। इस प्रदर्शन में दिल्ली भाजपा के कई वरिष्ठ नेता व भाजपा कार्यकर्ता बड़ी तादाद में उपस्थित रहें।

जगमोहन मेहलावत महरौली जिला अध्यक्ष ,भूपेंद्र गुप्ता निगम पार्षद ,राजकुमार निगम पार्षद, पवन राठी महामंत्री महरौली, बलवीर सिंह महामंत्री महरौली आदि लोग उपस्थित थे।

शांतिश्री पंडित जेएनयू की कुलपति नियुक्त की गई

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय की कुलपति शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के कुलपति के रूप में नियुक्त किया गया है। पंडित जेएनयू की पहली महिला कुलपति होंगी। शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, उनकी नियुक्ति पांच वर्षों के लिये होगी।÷ पिछले साल जेएनयू के कुलपति के तौर पर अपने पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद से एम जगदीश कुमार कार्यवाहक कुलपति के तौर पर जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे थे। कुमार को अब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

सीआईएससीई ने 10वीं, 12वीं कक्षा के पहले टर्म की बोर्ड परीक्षा के परिणाम की घोषणा की

नई दिल्ली। 'भारतीय स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा परिषद' (सीआईएससीई) ने 10वीं और 12वीं कक्षा के प्रथम-टर्म की परीक्षाओं के परिणाम सोमवार को घोषित कर दिए।

बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गैरी अराथून ने कहा, ''10वीं कक्षा (आईसीएसई) और 12वीं कक्षा (आईएससी) के पहले सेमेस्टर की परीक्षाओं के परिणाम की घोषणा कर दी गई है।''

उन्होंने कहा, ''परिषद की वेबसाइट पर, उसके करियर पोर्टल पर लॉग-इन करके और एसएमएस के जरिए परिणाम देखा जा सकता है।''

आईसीएसई की परीक्षा पिछले साल 29 नवंबर से 16 दिसंबर के बीच हुई थी, जबकि आईएससी की परीक्षा 22 नवंबर से 20 दिसंबर के बीच आयोजित की गई थी।

परीक्षाएं ऑफलाइन आयोजित की गईं और कोविड-19 महामारी के मद्देनजर पिछले साल बोर्ड परीक्षा आयोजित नहीं किए जाने के बाद शैक्षणिक सत्र को दो टर्म में विभाजित किया गया था और एक वैकल्पिक मूल्यांकन योजना का उपयोग करके परिणामों की घोषणा की गई।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने भी सत्र को दो चरणों में विभाजित किया था और पहले सेमेस्टर की परीक्षा प्रत्यक्ष तरीके से आयोजित की थी। अभी नतीजों की घोषणा नहीं की गई है।

दिल्ली में सुबह मौसम रहा सुहावना, वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई

नई दिल्ली । दिल्ली में सोमवार को सुबह मौसम सुहावना रहा और न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई।

सफदरजंग वेधशाला के अनुसार, सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 87 प्रतिशत दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने दिन में आसमान साफ रहने और अधिकतम तापमान करीब 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान जताया है। उसने बुधवार को बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने का अनुमान जताया।

राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को अधिकतम तापमान 24.2 दर्ज किया गया था, जो इस मौसम के औसत तापमान से एक डिग्री अधिक है और न्यूतनम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम 5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 262 दर्ज किया गया। फरीदाबाद में 289, गाजियाबाद में 316, ग्रेटर नोएडा में 217, गुड़गांव में 244 और नोएडा में 219 एक्यूआई दर्ज किया गया।

एक्यूआई को शून्य और 50 के बीच 'अच्छा', 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बेहद खराब' तथा 401 और 500 के बीच 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है। दिल्ली में बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान सामान्य से आठ डिग्री कम 14.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो इस महीने में पिछले 19 साल में दर्ज किया गया सबसे कम तापमान है।

दाखिले के नाम पर पब्लिक स्कूल लोगों को लूटने में लगे

रवि शंकर तिवारी

नई दिल्ली। दिल्ली के पब्लिक स्कूलों ने सामान्य वर्ग के बच्चों के दाखिले के लिए डोनेशन के नाम पर लूट मचा रखी है इससे गाँवों के बच्चो ओर मध्यम वर्ग के लोग दाखिले को लेकर भारी तनाव में हैं। दिल्ली ग्राम पंचायत संघ के सामने यह विषय अभिभावको की ओर से लाया गया है।

दिल्ली ग्राम पंचायत संघ के पंच प्रमुखों की इस विषय में बैठक हुई, इसमें संघ प्रमुख थान सिंह यादव, ख्याला गांव से राजकुमार यादव, 360 गांव सर्व खाप की तरफ से सुरेश शौकीन व अन्य सदस्य बैठक में मौजूद रहे और सेंटर फॉर यूथ कल्चर लॉ एंड एनवायरमेंट के अध्यक्ष पारस त्यागी ने भी बैठक में हिस्सा लिया। इस मौके पर तमाम वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा के नाम पर मच रही इस लूट से हर वर्ग के लोग प्रभावित हो रहे हैं। उनको अभिभावकों ने बताया कि दिल्ली के ज्यादातर पब्लिक स्कूल एक लाख से लेकर पाँच लाख व इससे भी ज्यादा रकम दाखिले के नाम पर डोनेशन माँग रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि कोरना काल में स्कूल बंद रहने के बावजूद छात्र-छात्राओं से वार्षिक फीस वह डेवलपमेंट चार्ज भी वसूला गया है। संघ ने दिल्ली सरकार के उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया से मांग की है कि इस विषय को गंभीरता से लें। दरअसल स्कूल वाले दाखिले के नियमों को दरकिनार कर डोनेशन वाले छात्र-छात्राओं को दाखिला दे रहे हैं और नियम के तहत जिन छात्र-छात्राओं का दाखिला होना चाहिए उनका दाखिला नहीं होता है। हमारी मांगे की है कि सामान्य वर्ग के दाखिले तुरंत रोके जाएं और शिक्षा अधिकारी व अभिभावक संघ की देखरेख में छात्र छात्राओं के दाखिले हो। अगर ऐसा नहीं होता है तो दिल्ली ग्राम पंचायत संघ ओर अन्य संगठनों के साथ धरना व प्रदर्शन करेगा।

दिल्ली में एक इमारत की चौथी मंजिल पर लगी भीषण आग

सीएम केजरीवाल ने अधिकारियों दिए लोगों की मदद के निर्देश

नई दिल्ली । उत्तरी दिल्ली के पंजाबी बस्ती इलाके में एक इमारत की चौथी मंजिल पर स्थित एक मकान में सोमवार सुबह आग लग गई। दमकल विभाग ने बताया कि उन्हें सुबह 10 बजकर 32 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।

विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने कहा कि सुबह 11 बजकर 35 मिनट के आसपास आग पर काबू पा लिया गया। चौथी मंजिल पर रखे घरेलू सामान और छत में लगी आग लगी बाद में पास के मकान की छत तक भी फैल गई। अधिकारियों को संदेह है कि आग शॉट-सर्किट के कारण लगी होगी।

घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया कि अग्निशमन विभाग और जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि आग पर जल्द काबू पाएं और यह सुनिश्चित करें कि आग और नहीं फैले, स्थानीय लोगों की मदद करें।

पुलिस उपायुक्त सागर सिंह कलसी ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलने पर पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे। पंजाबी बस्ती में मदर डेयरी के पास एक इमारत की चौथी मंजिल पर स्थित एक मकान में आग लग गई थी। दमकल की गाड़ियां भी मौके पर पहुंचीं। डीसीपी ने कहा कि जब आग लगी तब चौथी मंजिल पर कोई नहीं था। आग पर काबू पा लिया गया है। दमकल की तीन गाड़ियां, बिजली विभाग तथा ट्रैफिक पुलिस के कर्मी और एंबुलेंस मौके पर तैनात थी।

बच्चों को वापस स्कूल में देखकर हो रही है बहुत खुशी : केजरीवाल

दिल्ली में नौंवी से 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए स्कूल फिर से खुले

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 की तीसरी लहर के प्रकोप के बाद से बंद अधिकतर स्कूल सोमवार को नौंवी से 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए फिर से खुल गए। कोविड-19 के मामले कम होने के मद्देनजर दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने सात फरवरी से नौंवी से 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए स्कूलों के साथ-साथ उच्च शैक्षणिक संस्थानों और 'कोचिंग सेंटर' को फिर से खोलने का शुक्रवार को फैसला किया था। इसके साथ ही 14 फरवरी से नर्सरी से आठवीं तक की कक्षाएं फिर से शुरू करने का भी फैसला किया गया है। राष्ट्रीय राजधानी में सुबह-सुबह बच्चे मास्क पहने स्कूल जाते नजर आए। एक निजी स्कूल में एहतियाती तौर पर बच्चों के बस्तों को रोगाणुमुक्त भी किया गया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्विटर पर विभिन्न स्कूलों में बच्चों के स्वागत की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं। केजरीवाल ने ट्वीट किया, ''बच्चों को वापस स्कूल में देखकर बहुत खुशी हो रही है। बच्चे भी बेचारे परेशान हो गए। भगवान ना करे अब दोबारा स्कूल बंद करने की ज़रूरत पड़े।''

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य के साथ-साथ उनकी पढ़ाई की भी चिंता है। स्कूलों के खुलने से बच्चों की लर्निंग में आया गैप कम होगा।? बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर सरकार अलर्ट मोड में है। सभी स्कूलों में कोरोना गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करना होगा। अभिभावकों की सहमति से बच्चे स्कूल आयेंगे। ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन पढ़ाई जारी रहेगी। स्कूल बंद रहने के दौरान हैप्पीनेस करिकुलम ने बच्चों को तनावमुक्त करने और खुश रखने की वैक्सीन का काम किया है। माइंडफुलनेस ने छात्रों के साथ परिवार के सदस्यों को भी तनावमुक्त रखा है।

कोरोना के कम होते मामले और घटते संक्रमण दर को देखते हुए सोमवार को दिल्ली में 9वीं से 12वीं तक की कक्षाओं के लिए स्कूल दोबारा खोल दिए गए। हर स्कूल में कोरोना प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया जा रहा है। स्कूल के खुलने और लम्बे समय बाद अपने दोस्तों से मिलने पर बच्चे काफी उत्साहित थे। पेरेंट्स अपने बच्चों को दोबारा स्कूल भेजने को लेकर काफी कॉन्फिडेंट दिख रहे थे। स्कूलों में बच्चों का स्वागत करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। ऑफलाइन पढ़ाई दोबारा शुरू करने से पहले बच्चे सामान्य रूप से स्कूल से जुड़ सके इसके लिए स्कूलों में कई एक्टिविटीज का आयोजन किया जा रहा है।

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने स्कूलों का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया और बच्चों व उनके पेरेंट्स से बात की। उन्होंने कहा कि महामारी के कारण स्कूलों के बंद रहने से बच्चों की पढ़ाई का काफी ज्यादा नुकसान हुआ है। हमें बच्चों के स्वास्थ्य की चिंता है, लेकिन उनके पढ़ाई की भी चिंता है। यदि अब स्कूलों को नहीं खोला गया तो एक पूरी पीढ़ी नॉलेज गैप के साथ आगे बढ़ेगी। कोरोना के दौरान बेशक बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई जारी थी लेकिन ऑनलाइन पढ़ाई कभी भी ऑफलाइन पढ़ाई का रिप्लेसमेंट नहीं बन सकता। उन्होंने कहा कि हम पूरी तरह अलर्ट मोड में है। सभी स्कूलों में ये सुनिश्चित किया जाएगा कि वहां कोरोना संबंधी प्रोटोकॉल और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे खुशी है कि लम्बे समय बाद आज दोबारा स्कूल खुले हैं। स्कूलों के न खुलने से बच्चों की पढ़ाई का काफी ज्यादा नुकसान हुआ था लेकिन उम्मीद है कि स्कूलों के खुलने के बाद हमारे टीचर्स, पेरेंट्स साथ मिलकर बच्चों के इस लर्निंग गैप को खत्म करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि स्कूल खुलने के पहले दिन ही स्कूलों में काफी अच्छा रेस्पोंस देखने को मिला है। यह दिखाता है कि पेरेंट्स अपने बच्चों को स्कूल भेजने को लेकर कॉन्फिडेंट हैं और बच्चों को स्कूल भेज रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री सिसोदिया ने कहा कि पिछली बार स्कूल खुलने के बाद का एक्सपीरियंस बेहद शानदार था। स्कूलों में बच्चे और टीचर्स बहुत अच्छे से कोरोना संबंधी सभी प्रोटोकॉल का पालन कर रहे थे।

पाठ्य सामग्री बंटने की अफवाह से एसओएल में जुटी भीड़

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग के नॉर्थ कैंपस स्थित कार्यालय में पाठ्य सामग्री वितरण के बारे में सूचना मिलने के बाद बड़ी संख्या में छात्र पहुंचे। बाद में पला चला कि यह सूचना झूठी थी। बिना बुलाए इस भीड़ को देख एसओएल प्रशासन हक्का बक्का रह

गया। छात्रों को यह जानकारी सोशल मीडिया से मिली थी।

इसे लेकर एसओएल प्रशासन ने दिल्ली पुलिस के क्राइम ब्रांच में शिकायत की है। एसओएल के विशेष कार्य अधिकारी प्रो.उमा शंकर पांडेय ने बताया कि प्रशासन ने छात्रों को इतनी बड़ी संख्या में पाठ्य सामग्री देने के लिए नहीं बुलाया था। छात्रों का कहना था कि उनको यह जानकारी सोशल मीडिया से मिली है। किसी को यूट्यूब से तो किसी को फेसबुक या वेबसाइट से मिली है। हमने क्राइम ब्रांच से इस तरह की सोशल मीडिया साइट, यूट्यूब चैनल और वेबसाइट के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। एसओएल कार्यालय के बाहर प्रशासन ने काफी मशक्कत से भीड़ को शांत कराया और उनके लिए पाठ्य सामग्री वितरण के लिए तिथि तय की।

एसओएल प्रशासन ने बढ़ती भीड़ के बाद 8 फरवरी से 4 मार्च तक प्रतिदिन तीन हजार छात्रों को पाठ्य सामग्री देने की घोषणा की है। प्रो. उमा शंकर पांडेय ने बताया कि यह व्यवस्था विषयवार की जा रही है, इसलिए छात्र संबंधित जानकारी लेकर यहां आए। उन्होंने छात्रों से पाठ्य सामग्री लेने के दौरान कोविड प्रोटोकॉल के पालन की अपील की।

इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के 99वें वार्षिकोत्सव का हुआ आरंभ

नई दिल्ली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़ेसर योगेश सिंह, महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफ़ेसर बाबली मोइत्रा सराफ़, प्रबंध समिति के अध्यक्ष अश्विनी शंकर, महाविद्यालय की पूर्व छात्रा अतिथि एवं विख्यात इतिहासविद् प्रोफ़ेसर नारायणी गुप्ता की उपस्थिति

कुलपति ने 'इन्नोवेशन, क्रिएटिविटी, ओरिजिनैलिटी' इन तीन शब्दों को भविष्य की शिक्षा के मॉडल का ध्येय बनाने का आह्वान किया सोमवार 7 फ़रवरी को इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के 99वें वार्षिकोत्सव का आरंभ मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफ़ेसर योगेश सिंह, महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफ़ेसर बाबली मोइत्रा सराफ़, प्रबंध समिति के अध्यक्ष अश्विनी शंकर, महाविद्यालय की पूर्व छात्रा अतिथि एवं विख्यात इतिहासविद् प्रोफ़ेसर नारायणी गुप्ता की उपस्थिति में राष्ट्रगान के गायन के साथ हुआ और इसके फ़ौरन बाद भारत रत्न लता मंगेशकर की स्मृति में सभागार में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। 99वें वार्षिक दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के संग्रहालय और अभिलेखागार शिक्षा संसाधन केंद्र को सभी के अवलोकनार्थ लोकार्पित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की ओर से एक विशेष स्मृति सिक्का भी जारी किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़ेसर योगेश सिंह ने कहा कि, ÷अगर आप भारत में महिला साक्षरता के आँकड़ें देखें, तो अभी भी हम अन्य एशियाई मुल्कों से इस दिशा में पिछड़ रहे हैं। पिछली तमाम सरकारों ने इस दिशा में प्रयास किये हैं, लेकिन अभी हमें और मेहनत की ज़रूरत है।

भारतीय प्रवासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय तिवारी उत्तर प्रदेश के चुनाव दौरे पर अपनी पूरी टीम के साथ ,बाराबंकी, तमकुहीराज, देवरिया, कुसिनगर एव चौरी चौरा विधानसभा मे रहे और अपने पुराने मित्र निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संजय निषाद के पुत्र सांसद प्रवीण निषाद एवं भारतीय जनता पार्टी के युवा प्रत्याशी इंजीनियर सरवन निषाद तथा उनकी माता जी को विजयी भव का आशीर्वाद दिया।

सम्पादकीय

कैंसर की चुनौती से जूझता भारत

प्रतिवर्ष चार फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है. कैंसर के सौ से अधिक प्रकार हैं, लेकिन इनमें स्तन, सर्वाइकल, ब्रेन, हड्डी, ब्लैडर, पैंक्रियाटिक, प्रोस्टेट, गर्भाशय, किडनी, फेफड़ा, त्वचा, पेट, थायरॉयड और मुंह व गले का कैंसर प्रमुख है. वजन बढ़ने, शारीरिक सक्रियता में कमी आने, दोषपूर्ण व असंतुलित खान-पान, व्यायाम नहीं करने, अल्कोहल के अधिक मात्रा में सेवन से इस रोग के होने की संभावना अधिक रहती है. चाय-कॉफी जैसे पेय पदार्थों के आदी व्यक्ति को भी कैंसर का ज्यादा खतरा रहता है. मोटापे से ग्रस्त व्यक्ति को कैंसर होने की अधिक संभावना होती है. यह बीमारी अनुवांशिक भी है. विशेषज्ञों का मानना है कि लोगों की बदलती जीवनशैली, तनाव, खान-पान की आदतें, शराब और तंबाकू सेवन इसकी बड़ी वजह बन रही है.

देश में सामान्य, मुंह, सर्वाइकल और स्तन कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है. नेशनल हेल्थ प्रोफाइल-2019 की रिपोर्ट के मुताबिक, एनसीडी क्लीनिक में 2017 से 2018 के बीच कैंसर के मामलों की पहचान की है. इस एक वर्ष में देश में कैंसर के मामले तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ गये. वर्ष 2017 में राजस्थान के सरकारी एनसीडी केंद्रों में पहुंचे करीब 30 लाख (30,91,378) लोगों में से 1,358 लोगों को सामान्य कैंसर निकला. वहीं 2018 के दौरान यह आंकड़ा बढ़कर 3,414 हो गया. यह करीब डेढ़ गुना बढ़ोतरी है. वर्ष 2017 में 3,57,23,660 लोग जांच कराने पहुंचे, जिनमें से 39,635 लोगों में सामान्य कैंसर पाया गया. वर्ष 2018 में 6,51,94,599 लोग जांच कराने पहुंचे, जिनमें से 1,68,122 में सामान्य कैंसर की पुष्टि हुई. गुजरात में 2017 में 3,939 कैंसर पीड़ितों की पुष्टि हुई थी. वर्ष 2018 में यह संख्या बढ़कर 72,169 हो गयी. गुजरात के बाद सबसे खराब हाल कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल का रहा. हर दिन औसतन 1300 से अधिक लोग इस बीमारी का शिकार हो रहे हैं. हर वर्ष कैंसर के 10 लाख नये मामलों का निदान किया जा रहा है.भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अनुसार, 2020 तक कैंसर के मामलों में 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है और 2035 तक हर वर्ष कैंसर के कारण मरनेवालों की संख्या बारह लाख तक बढ़ने की उम्मीद है. विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के बाकी देशों के मुकाबले भारत में कैंसर से प्रभावितों की दर कम है. बावजूद यहां 15 प्रतिशत लोग कैंसर के शिकार होकर अपनी जान गंवा देते हैं. डब्ल्यूएचओ की सूची के अनुसार, 172 देशों की सूची में भारत का स्थान 155वां है. वर्तमान में कुल 24 लाख लोग इस बीमारी का शिकार हैं. एक अनुमान के मुताबिक, भारत में 42 प्रतिशत पुरुष और 18 प्रतिशत महिलाएं तंबाकू के सेवन से कैंसर का शिकार होकर अपनी जान गंवा चुके हैं. राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के एक प्रतिवेदन के अनुसार, देश में हर वर्ष इस बीमारी से 70 हजार लोगों की मृत्यु हो जाती है, इनमें से 80 प्रतिशत लोगों की मौत का कारण बीमारी के प्रति उदासीन रवैया है. कैंसर संस्थान की इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर वर्ष सामने आ रहे साढ़े बारह लाख नये रोगियों में से लगभग सात लाख महिलाएं होती हैं. इनमें से करीब साढ़े तीन लाख महिलाओं की मौत हो जाती है. इनमें से भी 90 प्रतिशत की मृत्यु का कारण रोग के प्रति बरती जाने वाली लापरवाही है. ये महिलाएं डॉक्टर के पास तभी जाती हैं जब बीमारी अनियंत्रित हो जाती है. निःसंदेह, यदि कोई देश अपने को कैंसर मुक्त बनाने का सपना देखता है, तो उसे अपने देश में बिक रहे मादक व नशीले पदार्थों व शराब की फैक्ट्रियों पर रोक लगाने के कदम उठाने होंगे. जंक फूड पर फैट टैक्स लागू कर इसके सेवन से आमजन को बचाने का प्रयत्न करना होगा. कैंसर से बचाव के लिए हमें इस रोग को लेकर जन-जागृति कार्यक्रमों में तेजी लाने की जरूरत है.

समावेशी विकास पर हो जोर

सत्ता में आने के साथ वर्तमान सरकार ने समावेशी विकास का भरोसा दिलाया था, जहां सभी वर्गों के लोग विकास प्रक्रिया में हिस्सा लेते हैं और सबको समान रूप से फायदा होता है. ऐसा तब होता है, जब भारत जैसी गरीब अर्थव्यवस्था में आबादी के निचले 40 फीसदी हिस्से की आय में वृद्धि शीर्ष के 10 फीसदी लोगों से अधिक हो, लेकिन हालिया प्रकाशित ऑक्सफैम विषमता रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 2015 से निचली 40 फीसदी आबादी की कीमत पर शीर्ष के एक फीसदी लोगों के पास अधिक आय जाती रही है. शीर्षस्थ एक फीसदी के पास राष्ट्रीय संपत्ति का 42.5 फीसदी है, जबकि निचली 50 फीसदी आबादी के पास महज 2.8 प्रतिशत हिस्सा ही है. देश के सबसे धनी 100 अरबपतियों की संपत्ति 775 अरब डॉलर है और उनका रहन-सहन सबसे गरीब 55.50 करोड़ (आबादी का 40 फीसदी) से बिल्कुल अलग है. साल 2020 में 5.90 करोड़ लोग बेहद गरीब थे, जिनकी संख्या 2021 में बढ़ कर 13.40 करोड़ हो गयी, जबकि अरबपतियों की संख्या में भी 40 फीसदी की बढ़ोतरी हुई. स्पष्ट है कि आबादी का निचला तीस से चालीस फीसदी हिस्सा हाशिये पर है और वंचित है.उत्पादक रोजगार में बड़ा विस्तार समावेशी विकास की मूलभूत शर्तों में है, लेकिन देश में महामारी से पहले ही 45 सालों की सबसे अधिक बेरोजगारी दर थी, जो बीते दो सालों में और बढ़ी है. बजट में इस समस्या का कोई समाधान नहीं दिया गया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार, प्रधानमंत्री गति शक्ति कार्यक्रम में पूंजी खर्च बढ़ने से आगामी पांच सालों में 60 लाख रोजगार सृजित होंगे. इससे बेरोजगारों की बड़ी संख्या कम करने में खास मदद नहीं मिलेगी.इंफ्रास्ट्रक्चर विकास ठीक है, पर इससे सही रोजगार सृजन में समय लगता है. गति शक्ति कार्यक्रम में भागीदारी के लिए अपेक्षित राज्यों के पास संसाधनों और क्षमता की कमी है. ग्रामीण लोगों के लिए मनरेगा एक तरह की जीवन रेखा साबित हुई है. अब मनरेगा के आवंटन में 25 फीसदी की कटौती कर दी गयी है. इस कार्यक्रम के तहत 20 हजार करोड़ रुपये की मजदूरी बाकी है. ऐसे में आगामी सालों में ग्रामीण रोजगार प्रभावित होगा. शहरों में भी रोजगार गारंटी योजना न होने से बेरोजगारी बढ़ेगी. बजट में खाद्य अनुदान में 28 फीसदी तथा फर्टिलाइजर और पेट्रोलियम सब्सिडी में 11-11 फीसदी कमी की गयी है. ग्रामीण विकास के बजट में 0.3 प्रतिशत की कटौती हुई है, जबकि कृषि बजट में महज 2.5 फीसदी वृद्धि की गयी है. मुद्रास्फीति के मद्देनजर, बढ़त के बावजूद इस मद में कमी हो सकती है. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए भी बजट में कुछ खास नहीं दिया गया है. पिछले साल अर्थव्यवस्था में कुल उपभोग खर्च में पांच फीसदी की गिरावट आयी. नगदी हस्तांतरण के अभाव और अपर्याप्त रोजगार के कारण उपभोग बढ़ने की संभावना नहीं है, खासकर मुद्रास्फीति के उच्च स्तर में, जिसका कोई स्पष्ट समाधान सरकार के पास नहीं है. आगामी सालों में मांग में कमी जारी रह सकती है, जिससे एक ओर निजी निवेश बाधित होगा, तो दूसरी ओर आबादी के निचले हिस्से के लिए मुश्किलें बढ़ती रहेंगी. स्वास्थ्य में आवंटन में मात्र एक प्रतिशत की वृद्धि की गयी है, जो मुद्रास्फीति के हिसाब से ऋणात्मक हो सकता है. शिक्षा का बजट आवंटन 11 फीसदी बढ़ा है, जो वास्तविक रूप से कम हो सकता है. आश्चर्य की बात है कि सरकार शिक्षा में दो साल के नुकसान के बाद स्कूली शिक्षा के लिए 200 टीवी चैनल स्थापित करना चाहती है, वह भी तब जब स्कूल धीरे-धीरे खुलने लगे हैं.यह बहुत देर से उठाया गया कदम है. सरकार आसानी से स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार सृजन, कृषि निवेश और छोटे-मझोले उद्यमों के लिए खर्च बढ़ा सकती थी. साथ ही, नगद हस्तांतरण से गरीबों के उपभोग में वृद्धि कर सकती थी. इन सबसे समावेशी विकास को बड़ी गति मिलती. यह सब धनिकों पर कर लगाकर किया जा सकता था. लेकिन बजट में कराधान से संबंधित कोई बदलाव नहीं किया गया है. अभी संपत्ति कर शून्य है, आयकर दरें भी पिछले साल के स्तर पर हैं तथा अन्य करों में भी कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है. कर राजस्व में बढ़ोतरी अर्थव्यवस्था में उछाल की वजह से है. कर और सकल घरेलू उत्पाद का अनुपात भारत में कम है. यह 2017-18 में 10.7 फीसदी था, जो 2020-21 में घटकर 9.9 प्रतिशत हो गया. इस जीडीपी के स्तर पर यह शायद दुनिया में सबसे कम अनुपातों में से है. इसे बढ़ाने की बड़ी संभावनाएं हैं. निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि आबादी के निचले 30-40 फीसदी हिस्से के लिए सरकार की प्रतिबद्धता बहुत सीमित प्रतीत होती है. सरकार का मुख्य ध्यान विभिन्न प्रकार की उचित-अनुचित सुविधाएं देकर शीर्षस्थ धनिकों और कॉरपोरेट सेक्टर को अधिक धनी बनाने पर लगा हुआ है. सरकार अभी भी सकल घरेलू उत्पाद की उच्च वृद्धि दर हासिल करने को अपना बड़ा लक्ष्य मानती है, लेकिन उसे इस विकास की संरचना की परवाह नहीं है.

हिन्दुत्व के पैरोकार अशोक महान से खफा क्यों

सुभाष गाताडे

इतिहास क्या है ? ...वह इतिहासकार और तथ्यों के बीच निरंतर चलनेवाली निरंतर प्रक्रिया है, एक समाप्त न होने वाला संवाद जो वर्तमान और अतीत के बीच जारी रहता है। प्रख्यात ब्रिटिश इतिहासकार ई एच कार (1892-1982), जो मशहूर रहे हैं सोवियत यूनियन के इतिहास पर 14 खंडों में लिखी अपनी किताब ए हिस्ट्री आफ सोवियत यूनियन के लिए, उन्होंने इतिहास की समझदारी को अपने अंदाज में प्रस्तुत किया था। निस्सन्देह, ऐसे लोगों, समूहों के लिए जिनकी समझदारी का प्रस्थान बिंदु हम आर वे की समझदारी के इर्द-गिर्द घूमता है, अतीत के साथ जारी यह अंत:क्रिया अक्सर बेहद बुरे किस्म के एकालाप में तब्दील हो जाती है, जहां कुल मिला कर उसका असर वर्तमान में लोगों के मन मस्तिष्क को विषाक्त करने के लिए, पूर्वाग्रहों से लैस करने के लिए, उसका इस्तेमाल किया जाता है, जहां फिर वह न अतीत से सही सबक निकाल सकते हैं और न ही उसके जरिए भविष्य का रास्ता तलाश सकते। ऐसी तमाम मिसालें आए दिन मिलती हैं, जो बताती हैं कि हिन्दुत्व वर्चस्ववादी के संकीर्ण चिन्तन ने उन्हें हास्यास्पद नतीजों तक पहुंचाया है। अब फिलवक्त इतिहास के साथ जारी यह अलग किस्म की हिंसा सम्राट अशोक महान (ईसा पूर्व 303 से ईसा पूर्व 232 तक) के संदर्भ में उरूज पर है, जहां हिन्दुत्व दक्षिणपंथ की तरफसे उनको नायक नहीं खलनायक के तौर पर पेश किया जा रहा है, एक ऐसे मुगल बादशाह के साथ उनकी तुलना की जा रही है-जिसकी अपनी छवि को पहले ही सुनियोजित तरीके से बिगाड़ा जा चुका है - जो एक तरह से धार्मिक कट्टरता और क्रूरता का प्रतीक बना दिया गया है। अशोक महान, जो मौर्य साम्राज्य के आखरी बड़े शासकों में गिने जाते हैं, लेकिन इतिहास अशोक को उसके साम्राज्य की व्याप्ति के लिए नहीं याद करता बल्कि इसलिए याद करता है कलिंग युद्ध के बाद-जिस पर अशोक की सेनाओं ने आक्रमण किया था-जो जबरदस्त हिंसा हुई, जिसमें डेढ़ लाख से अधिक लोग मारे गए, उसके बाद अशोक को इस समूचे हिंसाचार का जबरदस्त पश्चाताप हुआ और उन्होंने अपना शेष जीवन धम्म के

जरिए अर्थात नैतिक जीवन के सिद्धांतों के आधार पर लोगों को जीतने में इस्तेमाल किया। वह दुनिया के ऐसे शासकों में अग्रणी माने जाते हैं जिन्होंने अस्पतालों के निर्माण, सड़कों के किनारे पेड़ लगाना, कुएं खुदवाना तथा ठहरने के ठिकाने बनाना आदि सार्वजनिक उपयोग के कामों का राज्य की तरफसे शुरू कियाय जिनकी सार्वजनिक तर्कशीलता के प्रति प्रतिबद्धता जबरदस्त थी आज ईसापूर्व दो सौ साल पहले उन्होंने दुनिया को पहली आम सभाएं बुलायीं, जिन्हें शेष दुनिया भी महान सम्राटों की फेहरिस्त में शुमार करती है, वह खलनायक के तौर पर पेश किए जा रहे हैं। इस मामले में रिटायर्ड नौकरशाह दया प्रकाश सिन्हा, जो लेखक तथा नाटककार भी हैं, और जिनकी केसरिया समूह से नजदीकी खुला रहस्य है, उनके विवादास्पद बयान सुर्खियों में हैं। जनाब सिन्हा, जो भाजपा के सांस्कृतिक सेल के राष्ट्रीय कन्वेनर भी हैं और इंडियन कौन्सिल फॉर कल्चरल रिलेशन्स (आईसीसीआर) के उपाध्यक्ष भी हैं तथा जिन्हें अपने नाटक सम्राट अशोक के लिए पिछले साल ही साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजा जा चुका है, और जो इस साल 2021 पदमश्री पुरस्कार से सम्मानित किए जा चुके हैं, उनका सम्राट अशोक को लेकर साक्षात्कार वायरल हो चुका है उपरोक्त साक्षात्कार में-जिसे एक राष्ट्रीय अखबार में जगह मिली है-सिन्हा अशोक महान का सिलसिलेवार खंडन करने का प्रयास करते दिखते हैं। अपनी प्रस्तुति में वह सम्राट अशोक की तुलना क्रूरता के मामले में मुगल बादशाह औरंगजेब से करते हैं। यह साक्षात्कार कलिंग युद्ध के पहले के अशोक के जीवन पर केंद्रित करता है तथा उनकी जिन्दगी के सही गलत किस्सों को जोड़ कर उन्हें एक ऐसे शासक के तौर पर पेश करता है, जिन्होंने अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न किया, यहां तक कि अपने कई आत्मीयजनों को मार डाला। मुश्किल तब पेश हुई जब सम्राट अशोक के इस प्रकट अपमान को लेकर बिहार की राजनीति में उबाल आया और संघ-भाजपा को बचावात्मक पैंतरा अख्तियार करना पड़ा। दरअसल जनता दल (यू) जिसके साथ भाजपा बिहार में सत्ता में साझेदारी कर रही है - उसने साफ किया कि बिहार के पाटलिपुत्र से शासन करने वाले सम्राट अशोक की यह बदनामी हिन्दुत्ववादी संगठनों की तरफसे ही की जा रही है और फिर बिहार के अन्य कई राजनीतिक दलों ने भी जनता दल यू का इस मामले में साथ दिया। राजद भी खुल कर समर्थन में उतरा। मांग उठी कि सिन्हा से न केवल पद्मश्री वापस ली जाए, साहित्य अकादमी का पुरस्कार भी छीन लिया जाए तथा उनके खिलाफमुकदमे दर्ज किए जाएं। अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखते हुए भाजपा को पहल लेनी पड़ी और बिहार के एक अग्रणी भाजपा नेता ने न केवल सिन्हा के संघ-भाजपा के साथ किसी रिश्ते से इन्कार किया और पुलिस स्टेशन जाकर उनके खिलाफमुकदमे दर्ज किए। वैसे इस मसले पर फिलवक्त संघ या भाजपा जो भी प्रलाप करे, इस बात के तमाम प्रमाण उपलब्ध हैं कि उनका चिन्तन किस प्रकार का है। हाल के समयों में ऐसे पॉप्युलर लेखक भी सामने आए हैं, जिन्होंने भारतीय इतिहास पर किताबें प्रकाशित की हैं, जो हिन्दुत्व वर्चस्ववादी नजरिये के साथ काफी सामंजस्य रखती दिखती हैं। ऐसी ही श्रेणी में शुमार है एक किताब द ओशन आफ चर्न, हाउ द इंडियन ओशन शेप्ड ह्यूमन हिस्ट्री जिसके लेखक हैं जनाब संजीव सान्याल-जो फिलवक्त भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ इकोनोमिक अफेयर्स में प्रमुख आर्थिक सलाहकार के तौर पर तैनात हैं। अपनी उपरोक्त किताब में वह भी अशोक के महिमामंडन को प्रश्नांकित करते हैं। वह जनाब भी अशोक के प्रारंभिक क्रूर और अलोकप्रिय शासन के बारे में बात करते हैं और ऐतिहासिक कलिंग युद्ध के बाद अशोक द्वारा बौद्ध धर्म के स्वीकार के स्थापित तथ्य को भी प्रश्नांकित करते हैं। किताब में वह यह दावा करते हैं कि अशोक ने बौद्ध धर्म का स्वीकार कलिंग प्रसंग के दो साल पहले किया था। कलिंग युद्ध के बाद सम्राट अशोक के पश्चाताप का भी मजाक उड़ाते हुए वह यह भी लिखते हैं कि बौद्ध धर्म का स्वीकार दरअसल युद्ध से उपजे पश्चाताप के कारण नहीं बल्कि उत्तराधिकार की राजनीति से जुड़ा था। गौरतलब है कि संजीव सान्याल के विवादास्पद दृष्टिकोणों पर इतिहास के गंभीर अध्येताओं की निगाह गई है, जिसमें इस तथ्य को नोट किया गया है कि किस तरह वह ऐतिहासिक अनुसंधान की बुनियादी प्रणालियों के बारे में भी अनभिज्ञ हैं और इतिहास के पुनर्लेखन के बड़े-बड़े दावों के बावजूद वह कभी इतिहास के प्रायमरी स्रोतों पर गौर नहीं करते हैं और अपनी दलीलों को लोकप्रिय इतिहासों और अखबारी लेखनों के प्रमाणों के जरिए पुष्ट करते हैं। स्पष्ट है कि केन्द्र में सत्तासीन हिन्दुत्व वर्चस्ववादी हुकूमत और समाज के मुखर हिस्से में इस नजरिये की बढ़ती स्वीकार्यता के चलते, सम्राट अशोक जैसे भारत के गौरवशाली इतिहास के एक कर्णधार की बदनामी का सिलसिला बदस्तूर जारी रहेगा। सम्राट अशोक ने जिस भारत का तसव्वुर किया था, सब निवासियों के मिलजुल कर रहने की, प्रगति करने की बात की थी उससे उनकी गहरी बेआरामी होती है। वे सभी लोग, समूह, संगठन भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाना चाहते हैं, जिन्होंने हकीकत में धार्मिक अल्पसंख्यकों को हर जगह बचावात्मक पैंतरा अख्तियार करने के लिए मजबूर किया है और जो इसी हिसाब से संविधान को भी तब्दील करना चाहते हैं, क्या उनसे कभी उम्मीद की जा सकती है कि सम्राट अशोक के जीवन के वास्तविक मर्म को समझेंगे निश्चित ही ऐसे संकीर्णमना लोग जिन्होंने आजादी के आंदोलन से दूरी बनाए रखी उन्हें निश्चित ही यह बात हजम नहीं होगी कि न्याय और अहिंसा के अशोक के सिद्धांतों ने आजादी के गांधी-नेहरू जैसे रहनुमाओं को प्रेरित किया था। यह अकारण नहीं कि सम्राट अशोक जो सांस्कृतिक और धार्मिक बहुलतावाद के हामी थे, उनके प्रतीक चार शेरों की तस्वीरें भारतीय मुद्रा पर अंकित है और उनका चक्र भारतीय तिरंगे के केन्द्र में है।

मोदी सरकार के नौवें बजट प्रस्तावों से असमानता और बढ़ेगी

नित्या चक्रवर्ती

नरेंद्र मोदी सरकार के बजट 2022-23 को कोई कैसे दर्शाता है? बजट तब पेश किया गया जब महामारी की तीसरी लहर अभी खत्म नहीं हुई है, लेकिन निश्चित रूप से पूरे देश में इसकी तीव्रता कम हो रही है। महामारी से प्रभावित लोगों का संकट जारी है और अब तक के सभी अध्ययनों ने संकेत दिया है कि भारतीय समाज में असमानता बढ़ गई है क्योंकि गरीबों और मध्यम वर्ग की आय का स्तर काफी नीचे चला गया है। राजनीतिक स्तर पर, देश के पांच राज्यों में 10 फरवरी से 7 मार्च के बीच विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, परिणाम 10 मार्च को घोषित किए जाएंगे। स्वाभाविक है कि इन पांच राज्यों के मतदाताओं ने इसके प्रभाव को ध्यान में रखा है। उनकी आजीविका पर बजट निश्चित रूप से सकारात्मक नहीं है। भारतीय आबादी के कमजोर छोर पर लोगों के लिए कुछ भी ठोस नहीं है। बजट को निश्चित रूप से लोकलुभावन नहीं कहा जा सकता है जो आम तौर पर चुनावी वर्ष में कुछ छूट देने की प्रवृत्ति है। फिर यह कैसे हुआ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी बेदाग राजनीतिक प्रवृत्ति से एक ऐसा बजट पेश करने की अनुमति दी, जिसका पांचों चुनावी राज्यों में लाखों गरीबों पर कोई सीधा प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री और उनके सलाहकार सत्ता में बने रहने के लिए अति आत्मविश्वासी हैं और वे वर्तमान के संकट को नजरअंदाज करते हुए 25 साल के अमृत काल में फैले भविष्य की योजना बना सकते हैं। यह एक भूतल के आधार पर एक आलीशान बहुमंजिला अपार्टमेंट बनाने जैसा है जिसमें कई छेद हैं। हमारे प्रधानमंत्री शीर्ष मंजिल को ओर इस उम्मीद से देख रहे हैं कि भारत बड़ी लीग में शामिल हो रहा है। प्रधानमंत्री को भविष्यवादी होने का पूरा अधिकार है, लेकिन वह एक दूरदर्शी के रूप में कार्य कर सकते हैं, यदि उन्होंने कुछ बुनियादी बातों का ध्यान रखा होता, जिसमें तत्काल भविष्य में सार्वजनिक खपत को बढ़ावा देने के तरीके शामिल होते हैं ताकि अर्थव्यवस्था को लघु और मध्यम अवधि के आधार पर बढ़ावा दिया जा सके। प्रमुख अर्थशास्त्रियों द्वारा गरीबों के लिए न्यूनतम बुनियादी आय शुरू करने और साथ ही

सुपर रिच पर एक तरह का असमानता कर लगाने के सुझाव दिए गए थे। इसके बजाय, मनरेगा, ग्रामीण गरीबों के लिए आजीविका की धुरी और सार्वजनिक वितरण प्रणाली जो कमजोर लोगों को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती है, के साथ सौतेला व्यवहार किया गया है जैसे कि गरीबों के लिए कार्यक्रमों का विस्तार विकास विरोधी है। इसके बजाय, कॉर्पोरेट करों में कटौती की गई है। 2022-23 के बजट से एक सप्ताह पहले जारी भारत पर ऑक्सफैम असमानता रिपोर्ट ने स्पष्ट रूप से उजागर किया है कि कैसे दो साल की महामारी ने भारत सहित दुनिया में असमानता को चौड़ा किया है। विशेष रूप से भारत के लिए, स्थिति गंभीर है क्योंकि वर्तमान सरकार में गरीबों और संकटग्रस्त लोगों की सुरक्षा के लिए सामाजिक सुरक्षा प्रणाली का अभाव है जिसके परिणामस्वरूप गरीबों की आजीविका में और गिरावट आई है। फिर भी, बजट ने मनरेगा के लिए आवंटन को प्रभावी रूप से घटाकर केवल रुपए 73,000 करोड़ किया है जो संशोधित अनुमान से काफी कम है। लेकिन तथ्य यह है कि हाल के सभी अध्ययनों से पता चला है कि मनरेगा कार्यक्रम ने जो कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के दिमाग की उपज थी, पिछले दो वर्षों की महामारी के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में संकटग्रस्त लोगों के लिए बड़ी राहत दी है। मोदी सरकार को यह पता था लेकिन गरीबों का ख्याल रखना मोदी की सूची में प्राथमिकता नहीं है। पीडीएस जो ग्रामीण भारत में भूख और कुपोषण के खिलाफ एक बांध है, को भी रुपये के संशोधित आबंटन से कम आबंटन दिया गया है। 2021-22 में 2,10,929 करोड़ रुपये से 2022-23 में 1,45,920 करोड़ रुपये। बुनियादी ढांचे के लिए निवेश में बड़ी बढ़ोतरी निश्चित रूप से स्वागत योग्य है, लेकिन भारत में बड़े आधे को अपनी आजीविका बनाए रखनी होगी और उनके रहने की स्थिति में सुधार होगा सार्वजनिक खपत में वृद्धि के कारण आर्थिक विकास हुआ। इस प्रकार मोदी सरकार, कमजोर लोगों की आजीविका की न्यूनतम अनिवार्यताओं की परवाह किए बिना वैश्विक आयाम की एक नई अर्थव्यवस्था की आकांक्षा कर रही है। पिछले आठ वर्षों में, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने विकास पथ का अनुसरण किया जिसने केवल असमानताओं को चौड़ा किया है और अमीरों द्वारा गरीबों और भारतीय समाज के निचले तबके की कीमत पर लाभ कमाने के लिए हर आर्थिक संकट का फायदा उठाया गया है। पिछले दो वर्षों की महामारी में मोदी सरकार द्वारा संकटग्रस्त लोगों को तथाकथित रियायतों पर लगातार सरकारी घोषणाओं के बावजूद यह प्रक्रिया तेज हो गई है। 24 मार्च, 2020 को अचानक से लॉक डाउन की घोषणा के साथ पहली लहर से लेकर वर्तमान तीसरी लहर तक, वेतन पाने वाले, एसएमई के कर्मचारी, प्रवासी श्रमिक और निजी क्षेत्र की छोटी कंपनियों के लाखों कर्मचारी घाटे में चल रहे हैं। नौकरी छूटने, छंटनी और आय में कमी के साथ घोर गरीबी। ये वे लोग थे, जिन्हें मंदी का भी सामना करना पड़ा। भारत में असमानता पर ऑक्सफैम की वार्षिक रिपोर्ट में मोदी सरकार के शासन ढांचे पर ध्यान केंद्रित किया गया है जो कुछ लोगों द्वारा धन के संचय को बढ़ावा देता है, जबकि बाकी आबादी को सुरक्षा जाल प्रदान करने में विफल रहता है। रिपोर्ट में भारत में अमीर और गरीब पर कोविड-19 महामारी के आर्थिक प्रभाव पर भी प्रकाश डाला गया। विभिन्न थिंक टैंकों द्वारा इतने आलोचनात्मक उल्लेखों के बावजूद नवीनतम बजट में भी वही पुराना दृष्टिकोण जारी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि केवल इन अति-समृद्ध परिवारों पर उनकी संपत्ति का केवल 1 फीसदी कर लगाकर, भारत अपने संपूर्ण टीकाकरण कार्यक्रम की लागत 50,000 करोड़ रुपये (6.8 बिलियन डॉलर) कर सकता है। इसके बजाय, भारत में कराधान का बोझ वर्तमान में भारत के मध्यम वर्ग और गरीबों के कंधों पर है, और कोविड-19 वसूली के लिए अमीरों पर एकमुश्त कर के प्रस्ताव को संबोधित नहीं करने के परिणामस्वरूप सरकार का उपयोग कर रही है। केवल अन्य उपलब्ध विकल्प यानी अप्रत्यक्ष कर राजस्व के माध्यम से धन जुटाना जो गरीबों को दंडित करता है, रिपोर्ट में कहा गया है। सितंबर 2019 में, कोविड-19 महामारी से पहले, मोदी सरकार ने घरेलू निर्माताओं के लिए कॉर्पोरेट कर की दरों को 30 फीसदी से घटाकर 22 फीसदी कर दिया था, और नई निर्माण कंपनियों के लिए, दर को 25 फीसदी से घटाकर 15 फीसदी कर दिया था, बशर्ते वे ऐसा करें किसी प्रकार की छूट का दावा न करें। सरकार ने इस निर्णय को लागू करने में 36 घंटे का समय लिया, नियम 12 की मदद से जो प्रधानमंत्री को निर्णय लेने और बाद में कैबिनेट का अनुसमर्थन प्राप्त करने का अधिकार देता है। अमेरिका स्थित क्रेडिट रेटिंग एजेंसी एस एंड पी ग्लोबल ने इस कदम को क्रेडिट नकारात्मक करार दिया था।

इस प्रकार कॉरपोरेट महामारी से अधिक लाभ प्राप्त करना जारी रखते हैं जबकि श्रमिक बेरोजगार हो जाते हैं और इनमें से कई प्रभावित लोग आत्महत्या कर लेते हैं। मोदी सरकार को अब बड़े कॉरपोरेट्स और क्रोनी कैपिटलिस्टों के हित में भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास पथ को आगे बढ़ाने में कोई हिचक नहीं है। भाजपा विपक्ष में बंटवारे का और देश के सभी हिस्सों में अपना आधार बढ़ाने और मजबूत करने के लिए मुख्य राष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस की कमजोरी का पूरा फायदा उठा रही है। पार्टी को आरएसएस, संघ परिवार के नफरत करने वाले संगठनों और वित्तीय बाहुबल का समर्थन प्राप्त है। विपक्ष अपनी संयुक्त कार्रवाई, उद्देश्य की एकता और जन-समर्थक कार्यक्रम के माध्यम से ही सत्ताधारी दल की चुनौती का मुकाबला कर सकता है। भाजपा ने दिखा दिया है कि उसने किस पक्ष को चुना है, संयुक्त विपक्ष आम जनता का पक्ष चुनकर ही भाजपा और नरेंद्र मोदी से लड़ सकता है।

साइबर ठगी से बचाव के साथ संबंधित संगठनों की तय हो जवाबदेही

डा. महेश परिमल

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में एक पूर्व न्यायाधीश पूनम श्रीवास्तव के बैंक खाते से झारखंड के साइबर अपराधियों द्वारा पांच लाख रुपये की ठगी के सभी आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि साइबर ठगी के मामले में पैसे की सुरक्षा की जिम्मेदारी बैंक की होनी चाहिए। अदालत ने माना कि बैंक में पैसा जमा करने वाले देश के प्रति ज्यादा ईमानदार हैं। हर हाल में उनका पैसा सुरक्षित रहना चाहिए। इससे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। कालाबाजारी करने वाले लोग पैसा तहखाने में रखते हैं, जो देश के विकास में काम नहीं आता। कोर्ट ने कहा कि बैंक यह कहकर नहीं बच सकती कि वह इसके जिम्मेदार नहीं है। इसके साथ ही पुलिस भी यह कहकर नहीं बच सकती कि साइबर अपराधी उनकी पहुंच से दूर नक्सली क्षेत्रों में रहते हैं। एक बात तो तय है कि इस एक उदाहरण के अलावा भी ऐसे उदाहरण आपको मिल सकते हैं जिनमें साइबर ठगी पर सरकार के विभिन्न प्राधिकरणों का रवैया ढिला-ढाला ही रहा है। लिहाजा साइबर ठगी की जवाबदेही तय होनी चाहिए। व्यापार-उद्योग तथा दैनंदिन जीवन में डिजिटल ट्रांजेक्शन लगातार बढ़ रहा है। लेकिन उस तेजी से साइबर सिक्योरिटी सिस्टम का उपयोग नहीं बढ़ रहा है। ऐसे में साइबर क्राइम या आनलाइन ठगी की घटनाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है। वैश्विक स्तर पर बढ़ रहे साइबर क्राइम के कारण

साइबर सिक्योरिटी एक नई इंडस्ट्री के रूप में उभर रही है। अब देश भर में साइबर सिक्योरिटी का बाजार डेढ़ लाख करोड़ रुपये वार्षिक पार कर गया है।साइबर ठगी के बढ़ते मामलों को देखते हुए सूचना एवं प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के तहत इस पर नियंत्रण का काम शुरू किया। इधर जैसे-जैसे सख्ती बढ़ती गई, अपराधियों ने भी नए-नए पैंतरे आजमाने शुरू कर दिए। लेकिन इस दिशा में पुलिस अभी तक पूरी तरह से सजग नहीं हो पाई है। साइबर सेल का अलग विभाग बना देने के बाद भी वहां अपने मोबाइल के खो जाने की रिपोर्ट लिखवाने के लिए कई बार चक्कर लगवाया जाता है। कुल मिलाकर पुलिस इस दिशा में अभी तक सचेत नहीं हुई है। इसलिए साइबर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। कोर्ट की फटकार के बाद भी पुलिस अपनी जवाबदेही से बचना चाहती है इस अपराध में सबसे बड़ी बात यह है कि लोग आधुनिक तकनीक की पूरी जानकारी नहीं रखते। थोड़ी-सी ही जानकारी के आधार पर लोग अपने डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि का प्रयोग असावधानीवश करते रहते हैं। इस अपराध में अपराधी सामने नहीं होता। वह सुदूर क्षेत्रों में या फिर विदेश में बैठकर भी यह अपराध कर लेता है। अधिकारियों की लापरवाही के कारण इन साइबर अपराधियों को मौका मिल जाता है इसके अलावा एक महत्वपूर्ण बात यह है कि लोगों में लालच का भाव भरा हुआ है। मुफ्त में मिलने वाली किसी भी चीज के लिए वे इन्कार नहीं करते। इसलिए वे प्रलोभन का शिकार हो जाते हैं। अपराधी उनकी इसी कमजोरी का पूरा फायदा उठाते हुए उन्हें ठग लेते हैं। सामान्य जनता आधुनिक संसाधनों का खूब इस्तेमाल करती है, पर सजगता नहीं होने के कारण वह अक्सर ठगी का शिकार हो जाती है। जनता यह नहीं सोचती कि आजकल कोई आपको मुफ्त में एक कप चाय नहीं पिलाता, तो फिर वह क्यों केवल आपको लाखों रुपए यूं ही दे देगा। ये अपराधी मानव के भीतर की लालसा को जगाकर उनसे ठगी कर लेते हैं। बैंक द्वारा बार-बार यह आग्रह किया जाता है कि किसी अनजान को कभी अपना मोबाइल नंबर, आधार नंबर या ओटीपी न दें। बैंक कभी किसी से फोन पर किसी भी तरह की जानकारी नहीं मांगती। फिर भी लोग लालच में आकर ठगी का शिकार हो जाते हैं व्यापार में पूंजी निर्माण के लिए और अपना व्यापार को बनाए रखने के लिए साइबर सुरक्षा अनिवार्य हो गई है। वैश्विक स्तर पर कारपोरेट बिजनेस में साइबर ठगी की संख्या लगातार बढ़ रही है। एक अनुमान के अनुसार देश में सालाना लगभग 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान साइबर ठगी के कारण हो रहा है। इसमें महाराष्ट्र और दिल्ली सबसे ऊपर हैं। सरकार इस दिशा में सक्रिय होकर लोगों को लगातार साइबर अपराध के बारे में जागरूक भी कर रही है। परंतु जब तक लोग पूरी तरह से सतर्क और सजग नहीं होंगे, तब तक साइबर ठगी का शिकार होते रहेंगे इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी इस संबंध में यह सोचने को विवश करती है कि साइबर अपराधियों पर किस तरह से रहम किया जाए। उनकी जमानत अर्जी को क्यों मंजूर की जाए? इन अपराधियों ने लोगों के सपनों को कुचलने का प्रयास किया है।

लोगों की मेहनत की कमाई को एक झटके में झटक लेने का काम किया है। उनके सपनों को ऐसे ही चूर-चूर नहीं किया जा सकता। अब तो सरकार को भी इस दिशा में सख्त से सख्त कार्रवाई वाले प्रविधानों को जोड़ा जाना चाहिए। साथ ही आम लोगों को भी इस ओर सतर्क होना होगा ताकि कोई आपकी कमाई लालच देकर न हथिया ले। साथ ही आर्थिक लेनदेन से संबंधित सभी जगहों पर अपनी गोपनीयता को बनाए रखें। सरकार एवं बैंकों द्वारा जो भी निर्देश दिए जाएं, उनका पूरी ईमानदारी से पालन करें। यदि नागरिक अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं, तो उन्हें अपने कर्तव्य के प्रति भी सजग होना होगा, तभी साइबर अपराध पर अंकुश लगाया जा सकता है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटरा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

सार समाचार

निर्वाचन आयोग का बड़ा फैसला, चुनाव प्रचार के लिए रोड शो, वाहन रैलियों पर बढ़ाया प्रतिबंध

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने रविवार को रोड शो, पद यात्रा , साइकिल और वाहन रैलियों पर प्रतिबंध को बढ़ा दिया, लेकिन कोविड-19 मामलों में कमी का हवाला देते हुए चुनावों के लिए बंद और खुले स्थानों पर प्रचार कार्यक्रमों के लिए नयी छूट प्रदान की। नयी छूट मिलने के बाद उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, पंजाब और मणिपुर में राजनीतिक दलों को बड़े चुनाव प्रचार कार्यक्रमों का आयोजन करने में मदद मिलेगी। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिये 10 फरवरी को मतदान होगा। इसके लिये आठ फरवरी की शाम प्रचार अभियान थम जाएगा। आयोग ने राज्यों के मुख्य सचिवों, उसके पर्यवेक्षकों और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के आधार पर भौतिक प्रचार कार्यक्रमों को आयोजित करने की अनुमति प्रदान कर दी। आयोग ने एक बयान में कहा कि खुले में सभा, बंद भवनों में सभा तथा रैलियों के संबंध में प्रतिबंधों में और ढील दी गई है, लेकिन बंद सभागारों की 50 प्रतिशत क्षमता और खुले मैदान की 30 प्रतिशत क्षमता के बराबर लोग ही इनमें शामिल हो सकेंगे। इसके अलावा, घर-घर जाकर प्रचार करने के लिए अधिकतम 20 लोगों की सीमा पहले की तरह ही लागू रहेगी। प्रचार पर रात आठ बजे से सुबह आठ बजे तक प्रतिबंध लागू रहेगा। देश में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, गोवा, मणिपुर और पंजाब में विधानसभा चुनाव होना है।

राज्यपाल ने शहीद स्मारक जाकर श्रद्धासुमन अर्पित किए

धर्मशाला। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने आज कांगड़ा जिले के धर्मशाला स्थित शहीद स्मारक का दौरा किया और देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले 163 वीर शहीदों को अपने श्रद्धासुमद अर्पित किए। उन्होंने अमर जवान ज्योति प्रज्वलित कर शहीदों को स्मरण किया। यह पहला मौका है जब प्रदेश के किसी राज्यपाल ने शही स्मारक का दौरा किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को वीरभूमि कहा जाता है। यहां आकर यह बात स्पष्ट हो जाती है कि हिमाचल के वीर सैनिकों ने देश की रक्षा के लिए अपने शौर्य और वीरता का परिचय देते हुए जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि 1962 का चीन-भारत का युद्ध, 1965 में भारत-पाकिस्तान का युद्ध, 1971 का युद्ध और 1999 में कारगिल युद्ध, हिमाचल के वीर सैनिकों ने अदम्य साहस और बहादुरी का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि देश का पहला परमवीर चक्र हिमाचल प्रदेश के मेजर सोमनाथ के नाम है। उन्होंने कहा कि युद्ध स्मारक भावी पीढ़ी के लिए के प्रेरणा का केंद्र है। यहां देश के लिए अपने जीवन का बलिदान देने वाले वीर जवानों की जानकारी उपलब्ध है, जिन्होंने हमारे सुनहरे भविष्य के लिए बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें यहां आने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि हमें अपने वीर शहीदों पर गर्व है। राज्यपाल ने इस मौके पर हिमाचल प्रदेश वार मैमोरियल डवैलपमेंट सोसायटी, धर्मशाला के पदाधिकारियों से विचार-विमर्श किया और उनसे विचार सांझा किए। सोसायटी के अध्यक्ष कर्नल डढवाल ने राज्यपाल को सोसायटी की गतिविधियों से अवगत करवाया। उन्होंने शहीद स्मारक और युद्ध संग्राहलय की जानकरी दी।

सुपरमार्केट व सड़क किनारे दुकानों में शराब बेचने के राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ अनशन करेंगे अन्ना हजारे

पुणे । महाराष्ट्र के सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को एक ह्यस्मरण पत्रह्व लिखा है। इसमें हजारे ने कहा है कि वह सुपरमार्केट और सड़क किनारे की दुकानों में शराब बेचने संबंधी राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ अनिश्चितकालीन अनशन करेंगे। हजारे ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को पहला पत्र लिखकर तीन फरवरी को आबकारी नीति का विरोध किया था, लेकिन इसका कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा इसके बाद मुख्यमंत्री को याद दिलाने के लिए उन्हें स्मरण पत्र भेजना पड़ा। महाराष्ट्र सरकार ने हाल में सुपरमार्केट और किराने की दुकानों में भी शराब बेचने की अनुमति देने का फैसला किया था। हजारे ने कहा इस फैसले के खिलाफ मैंने अनिश्चितकालीन अनशन करने का फैसला किया है। मैंने इस संदर्भ में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री अजित पवार को पत्र भेजा था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

भाजपा ने 8 फरवरी को सदन में रहने के लिए राज्यसभा सांसदों को जारी किया व्हिप

नई दिल्ली । भाजपा ने अपने सभी सांसदों को आठ फरवरी को राज्यसभा में रहने के लिए व्हिप जारी की है। पार्टी ने 3 लाइन का व्हिप जारी कर अपने सभी राज्यसभा सांसदों को 8 फरवरी, मंगलवार को सारे दिन पूरे समय सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर सरकार के पक्ष का समर्थन करने को कहा है। दरअसल, मंगलवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दे सकते हैं। इस धन्यवाद प्रस्ताव को राज्यसभा से पारित भी कराया जाना है। इसे पारित कराने के दौरान विपक्षी दल अपने संशोधनों को लेकर मतदान की मांग कर सकते हैं। विरोधी दलों की इसी रणनीति के मद्देनजर भाजपा ने पूरी ताकत के साथ राज्यसभा में दिनभर मौजूद रहने के लिए अपने सांसदों को व्हिप जारी कर यह निर्देश दिया है ताकि वोटिंग की नौबत आने पर विरोधी दलों के प्रस्ताव को बहुमत के आधार पर खारिज कराया जा सके। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा में विभिन्न विपक्षी राजनीतिक दलों के 14 सांसदों की तरफ से राष्ट्रपति के अभिभाषण में संशोधन के लिए 99 नोटिस दिए गए थे, जिनमें से 11 विपक्षी सांसदों की तरफ से संशोधन के लिए 80 नोटिस पेश किए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल और सीपीएम के इलामारन करीम द्वारा पेगासस जासूसी मामले को लेकर दिए गए संशोधन प्रस्ताव को यह कहते हुए नामंजूर कर दिया गया है कि मामला अदालत में विचाराधीन है। अपने संशोधन प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किए जाने के विरोध में सीपीएम सांसद इलामारन करीम ने राज्यसभा सभापति वैंकैया नायडू को पत्र लिखकर विरोध जताया है। इस मसले पर विपक्षी सांसद राज्य सभा में हंगामा भी कर सकते हैं और साथ ही सदन में संख्या बल के आधार पर सभी विपक्षी दल मिलकर अपने संशोधन को पारित करवाने की कोशिश भी कर सकते हैं। इसी आशंका के मद्देनजर भाजपा भी अपनी पूरी संख्या के साथ राज्यसभा में मौजूद रहना चाहती है और इसलिए व्हिप जारी किया गया है।

आठ मई को खुलेंगे बदरीनाथ धाम के कपाट, टिहरी राजदरबार में तय हुई तारीख

ऋषिकेश। इस यात्रा वर्ष विश्व प्रसिद्ध श्री बदरीनाथ धाम के कपाट रविवार आठ मई को सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर खुलेंगे, जबकि गाडू घड़ा (तेलकलश यात्रा) की तिथि 22 अप्रैल शुक्रवार तय की गई है। नरेंद्र नगर (टिहरी) स्थित राजमहल में बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर सादे धार्मिक समारोह में पूजा-अर्चना तथा पंचाग गणना के पश्चात राज परिवार, श्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति, श्री डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत की उपस्थिति में धमार्चार्यों द्वारा पंचाग गणना के पश्चात श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय की। कार्यक्रम में कोविड प्रोटोकाल मानकों का पालन किया गया।

बागपत में विपक्षियों पर बरसे अमित शाह, बोले- 5 साल में यूपी की अर्थव्यवस्था को बनाएंगे नंबर वन

बागपत। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी घमासान मचा हुआ है। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता अमित शाह ने रविवार को बागपत में एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने महान गायक लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आज हम सबके बीच स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर जी नहीं रही। आज उनका निधन हो गया। आज पूरा देश लता जी को याद करके उन्हें श्रद्धांजलि दी रहा है। मैं भी पूरे मंच और भाजपा की ओर से लता जी को श्रद्धांजलि देता हूं।

उन्होंने कहा कि ये चुनाव निश्चित करने वाला है कि आने वाले दिनों में फिर से एक बार यहां माफियाओं का राज चलेगा या कानून का राज चलेगा। उत्तर फिर से एक बार दंगों की आग में झुलसेगा या यहां विकास का रास्ता प्रशस्त होगा, ये निश्चित करने का चुनाव है। इसी बीच उन्होंने कहा कि भाजपा को एक मौका दे दीजिए, 5 साल में देश में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक नंबर की हो जाएगी।

गृह मंत्री ने विपक्षियों पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा-बसपा विकास की बात करते हैं, उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने की बात करते हैं। 10 साल तक सोनिया-मनमोहन की सरकार चली, इसमें सपा-बसपा का भी समर्थन भी था। एक हिसाब से कांग्रेस-सपा-बसपा की सरकार चली। लेकिन साल 2013-14 के बजट में उत्तर प्रदेश का कितना बजट दिया गया? अखिलेश यादव आंकड़े की बात ही नहीं करते हैं लेकिन आंकड़ों की बात आती है तो सिर्फ और सिर्फ इत्र वाले की याद आती है।

गृह मंत्री ने कहा कि सपा इत्र वाले के यहां से 250 करोड़ रुपए पकड़े गए। उनके (अखिलेश) पेट में दर्द होने लगता है और कहते हैं कि मोदी जी बदला ले रहे हैं। अरे अखिलेश जी आपको क्या तकलीफ है रेड से? ये इत्र वाला आपका कौन है जनता को बताओं जरा? उन्होंने कहा कि सोनिया-मनमोहन की सरकार ने 2013-14 में उत्तर प्रदेश को 66,623 करोड़ रुपये दिया था। अभी-अभी मोदी जी बजट लेकर आए, 2022-23 के बजट में उत्तर प्रदेश के विकास के लिए मोदी जी ने 1 लाख 46 हजार 500 करोड़ रुपये देने का कार्य किया।

गृह मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के चुनाव को कुछ लोग विधायक बनने का, मंत्री बनने की सीढ़ी का और कुछ लोग इस चुनाव को अपने राजनीतिक भविष्य के साथ जोड़ते हैं। मगर ये चुनाव उत्तर प्रदेश का भविष्य निश्चित करने का चुनाव है, प्रदेश को आगे ले जाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के 1.82 करोड़ गरीबों के घर में 70 साल तक बिजली नहीं आई थी, वहां बिजली पहुंचाने का काम हमारे नेता नरेन्द्र मोदी जी ने किया है।

जम्मू को कश्मीर के बराबर दर्जा देने का प्रस्ताव

जम्मू । परिसीमन आयोग ने अपनी दूसरी मसौदा रिपोर्ट में जम्मू-कश्मीर में विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों में बदलाव का प्रस्ताव दिया है। इसके अलावा कश्मीर संभाग में बड़े पैमाने पर बदलाव किए गए हैं। इसे केंद्रशासित प्रदेश के पांच सहयोगी सदस्यों को उनके सुझावों के लिए सौंपा गया है। अनंतनाग संसदीय सीट के पुनर्निर्धारण प्रस्ताव के तहत अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि विस्तृत रिपोर्ट में जम्मू संभाग से राजौरी और पुंछ को शामिल करके अनंतनाग संसदीय सीट के पुनर्निर्धारण का प्रस्ताव है। परिसीमन आयोग ने जम्मू और कश्मीर की विधानसभाओं का प्रारूप ही नहीं पांच संसदीय क्षेत्रों का आकार भी बदल रही है। इस संबंध में आयोग ने अपनी दूसरी मसौदा रिपोर्ट पेश की है। जिसमें जम्मू कश्मीर के विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों में बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। परिसीमन आयोग की रिपोर्ट में राज्य के कई नेताओं ने अपनी नाराजगी व्यक्त की है। तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य की कई विधानसभा सीटें खत्म कर दी गई हैं। इसमें हब्बा कदल सीट भी शामिल है, जिसे प्रवासी कश्मीरी पंडितों के पारंपरिक गढ़ के रूप में देखा जाता था। श्रीनगर जिले की खानयार, सोनवार और हजरतबल विधानसभा सीटों को छोड़कर अन्य सभी सीटों का पुनर्निर्धारण किया गया है व चन्नापुरा तथा श्रीनगर दक्षिण की तरह नई विधानसभा सीटों के साथ विलय कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि नई प्रस्तावित रिपोर्ट में हब्बा कदल के मतदाता अब कम से कम तीन विधानसभा क्षेत्रों का हिस्सा होंगे। इसी तरह, पांच विधानसभा क्षेत्रों वाले बडगाम जिले का पुनर्निर्धारण किया गया और बारामूला संसदीय क्षेत्र के साथ विलय कर दिया गया, इसके अलावा कुछ क्षेत्रों को विभाजित किया गया और उत्तरी कश्मीर में कुंजर जैसी नई विधानसभा सीटों का निर्माण किया गया है।

आस्था से सरोकार न रखने वालों को 'अब सपने में याद आने लगे हैं भगवान कृष्ण': पीएम मोदी

लखनऊ। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाजवादी पार्टी (सपा) को नकली समाजवादी करार देते हुए रविवार को कहा कि जनता की आस्था से कोई सरोकार नहीं रखने वाले इन लोगों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपार समर्थन मिलता देखकर 'अब सपने में भगवान कृष्ण की याद आने लगी' है। मोदी ने मथुरा, बुलंदशहर और आगरा के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जन चौपाल को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सम्बोधित करते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनकी पार्टी पर तीखे प्रहार किए और कहा, 'चुनाव देखकर कृष्ण भक्ति का चोला ओढ़ने वाले लोग जब सरकार में थे तो वृंदावन, बरसाना, गोवर्धन और नंदगांव को वे भूल ही गए थे।

आज भाजपा को अपार समर्थन देख इन लोगों को अब सपने में भगवान कृष्ण की याद आने लगी है। गौरतलब है कि अखिलेश यादव ने हाल में कहा था कि भगवान कृष्ण रोजाना उनके सपने में आकर कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार बनने जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, जो पहले सरकार में थे, उन्हें ना तो आप लोगों की आस्था से मतलब था और ना ही आपकी जरूरतों से। उनका सिर्फ एक ही एजेंडा रहा है, उत्तर प्रदेश को लूटो। उन्हें बस सरकार बनाने से मतलब रहा है इसीलिए आज वह मुख्यमंत्री योगी (आदित्यनाथ) जी और भाजपा सरकार को पानी पी पी कर कोस रहे हैं। उत्तर प्रदेश का इन लोगों ने जो हाल बना दिया था, वह इन नकली समाजवादियों के कर्मों का कच्चा चिट्ठा है। मोदी ने आरोप लगाया, पिछली सरकारों के शासनकाल में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद थे कि वे राजमार्गों पर गाड़ी रोक कर लूटपाट करते थे और राजमार्गों पर ही महिलाओं और बेटियों के साथ क्या होता था, यह बुलंदशहर के लोग अच्छी तरह से जानते हैं। तब उत्तर प्रदेश में घरों एवं दुकानों पर अवैध कब्जे होना आम बात थी।

भाजपा ने राहुल गांधी पर कसा तंज, कहा- पंजाब में किस हैसियत से मुख्यमंत्री पद का चेहरा करेंगे घोषित

चंडीगढ़। (एजेंसी)

पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए अपनी पार्टी के मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अधिकार पर सवाल खड़ा करते हुए भाजपा ने रविवार को कहा कि वर्तमान में वह पार्टी में किसी पद पर नहीं हैं। राहुल गांधी डिजिटल रैली के लिए रविवार को लुधियाना पहुंचे और वह पार्टी के मुख्यमंत्री पद के चेहरे की घोषणा करेंगे। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री और भाजपा नेता गजेंद्र सिंह शेखावत ने बयान जारी कर कहा, 'राहुल गांधी पार्टी में किसी पद पर नहीं हैं, तो किस हैसियत और अधिकार से वह आज पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा करेंगे।' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री उम्मीदवार का चयन करना वास्तव में पार्टी का विशेषाधिकार है, लेकिन पंजाब के लोग जानना चाहेंगे कि पार्टी का सांसद होने के अलावा पार्टी में अब गांधी की क्या हैसियत है। शेखावत ने कहा कि गांधी ने लोकसभा चुनावों में हार के बाद 2019 में कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि अब उनकी एकमात्र योग्यता यह है कि उनका उपनाम 'गांधी' है। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री पद की दौड़ से सुनील जाखड़ का नाम हटाने के लिए भी कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि 'उनका नाम इसलिए हटाया गया क्योंकि वह एक विशेष धर्म से आते हैं।

अपर्णा यादव ने बताया बीजेपी में शामिल होने से पहले, मुलायम सिंह ने उन्हें दी थी क्या नसीहत

लखनऊ। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश चुनाव में आप हफ्ते भर से भी कम का समय रह गया है। इसे देखते हुए चाहे सत्ताधारी बीजेपी हो या समाजवादी पार्टी या फिर अन्य पार्टियां सभी चुनाव प्रचार में जुटी हुई हैं। हाल ही में समाजवादी पार्टी से भाजपा में शामिल हुई अपर्णा यादव बीजेपी के लिए जोर शोर से प्रचार कर रही हैं। अपर्णा के बीजेपी में शामिल होने के बाद से ही सियासी गलियारों में जो एक सवाल लगातार पूछा जा रहा है वो ये कि, अपर्णा यादव के इस फैसले से समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह सहमत थे या नहीं। अपर्णा यादव ने कहा कि उन्हें मुलायम सिंह यादव का आशीर्वाद प्राप्त है तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दावा किया कि नेताजी ने अपर्णा को समझाने की कोशिश की थी। अब अपर्णा यादव ने खुलासा किया है कि बीजेपी में आने के उनके फैसले पर मुलायम सिंह ने उन्हें क्या नसीहत दी थी। एक टीवी इंटरव्यू में अपर्णा यादव ने कहा कि इंडियन फैमिली सिस्टम में जब लड़की की शादी हो जाती है, तो ससुर आपके पिता तुल्य होते हैं। उन्होंने (मुलायम सिंह) ने मुझे खुश रहो का आशीर्वाद दिया। मैं वक्त वक्त पर उनके सामने अपनी बात रखती हूं और उनकी बात सुनती हूं। अपर्णा यादव ने कहा पिताजी हम बहुओं को कभी भी किसी भी चीज के लिए नहीं रोकते। वह यह नहीं कहते कि यह मत करो वह मत करो। उनसे जब बीजेपी में जाने से पहले मुलायम सिंह से बातचीत का प्रश्न पूछा गया तो उन्होंने कहा था कि हां बात हुई थी।

अखिलेश यादव के इस दावे पर कि नेताजी ने उन्हें बहुत समझाने की कोशिश की, इस पर अपर्णा ने कहा उन्होंने (मुलायम सिंह) ने मुझे बहुत बड़ी राजनीतिक समझ दी। उन्होंने मुझे इस बात को समझाया कि परिवार अपने स्थान पर है राष्ट्रवाद एक तरफ है। अपर्णा ने कहा कि उनके लिए राष्ट्रवाद परिवार से ज्यादा अहम है। और इसीलिए उन्होंने बीजेपी में शामिल होने का फैसला किया।

मुसलमानों से रिश्तों पर बोले, योगी- जो भारत को प्यार करता है हम उससे प्यार करते हैं

लखनऊ (एजेंसी)

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुसलमानों से अपने रिश्तों का खुलासा बेहद सटीक अंदाज में किया है। दरअसल, यूपी में 10 फरवरी को विस चुनाव के पहले चरण का मतदान होगा। चुनाव को लेकर भाजपा, सपा सहित सभी पार्टियां धुआंधार प्रचार कर रही है। इसी बीच एक टीवी इंटरव्यू में जब सीएम योगी आदित्यनाथ से पूछा गया कि आपका मुसलमानों से क्या रिश्ता है तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि जैसे वे मुझे देखते हैं, वैसे मैं भी उन्हें देखता हूं। एक इंटरव्यू में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सवाल पूछा गया कि पीएम मोदी का नारा रहा है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। आप भी इस नारे को हर मंच से दोहराते हैं। आपने अभी तक बहुत से उम्मीदवार घोषित किए हैं लेकिन कोई भी मुसलमान कैंडिडेट घोषित नहीं किया है। आपका मुसलमानों से क्या रिश्ता है?

इस सवाल के जवाब में सीएम योगी ने कहा कि मेरा वही रिश्ता उनके साथ में है जो उनका रिश्ता मुझसे है। आगे उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार में मेरे मंत्रिमंडल में एक मुस्लिम मंत्री मोहसिन रजा हैं। केंद्र सरकार में मुख़्तार अब्बास नकवी मंत्री हैं। इसी प्रकार के कई चेहरे हैं। आरिफ मोहम्मद खान केरल के राज्यपाल के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। हमारा किसी चेहरे, व्यक्ति, जाति या मजहब से विरोध नहीं है। लेकिन जिसका विरोध भारत से है और भारतीयता से है तो स्वाभाविक रूप से हमारा उससे विरोध होगा।

योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि जो भारत को प्यार करता है। हम उससे प्यार करते हैं। जो भारत के मूल्यों और सिद्धांतों में रचा बसा है। हम उसको हृदय से लगाते हैं, गले से लगाते हैं और सम्मान भी देते हैं। लेकिन अगर आजादी के बाद किसी ने ईमानदारी से सबका साथ सबका विकास पर काम किया है तो वो भाजपा सरकार ने किया है। आप देख सकते हैं कि जो लोग गरीब कल्याण का नारा देते थे, गरीबी हटाओ का नारा देते थे, सामाजिक न्याय की बात करते थे। उनका क्या सामाजिक न्याय है? गरीबों की पेंशन हड़प जाना क्या यही सामाजिक न्याय है? गरीबों के आवास योजना को लागू न करना क्या यही सामाजिक न्याय है?

बता दें कि करीब तीन दशक के बाद किसी भी प्रमुख पार्टी ने गोरखपुर सदर सीट पर मुस्लिम उम्मीदवार घोषित किया है। बसपा ने गोरखपुर सदर से योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अपने पुराने पार्टी कार्यकर्ता ख्वाजा शम्सुद्दीन को चुनावी मैदान में उतारा है। हालांकि इस सीट पर पहले के चुनावों में भी मुस्लिम उम्मीदवार को 3000 से ज्यादा वोट नहीं मिले हैं। सिर्फ 1993 के चुनाव में बसपा के उम्मीदवार जाफर अली जिप्पू को करीब 14 फीसदी वोट मिले थे और वे तीसरे स्थान पर रहे थे।

भाजपा सांसद ने कहा हिजाब पहनना चाहते हैं तो कॉलेजों के बजाय मदरसों में जाएं

मैसूर (एजेंसी)

कर्नाटक के भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा ने कहा कि शरिया कानूनों की वकालत करने वाले लोगों को विभाजन के दौरान पाकिस्तान चले जाना चाहिए था। उन्होंने कहा अगर आप हिजाब, बुर्का, पारंपरिक मुस्लिम पैंट पहनना चाहते हैं, तो आपको मदरसों में शिक्षा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि मुस्लिम समाज अपनी मर्जी का सब कुछ चाहता है तो वह 1947 में बने पाकिस्तान क्यों नहीं चला गया।

उन्होंने कहा चूंकि आपने भारत में रहना चुना है, तो फिर आपको देश की संस्कृति का भी सम्मान करना होगा। उन्होंने कहा सरस्वती, गणेश की पूजा और चूड़ियां-सिंदूर धारण करने पर सवाल उठाने वालों के लिए कहना चाहूंगा कि यह ब्रिटिश भारत नहीं है। इस भूमि की मूल नींव हिंदू धर्म है। हम मक्का, मदीना या येरुशलम में सिंदूर और चूड़ियां पहनने की इजाजत देने की नहीं मांग रहे हैं। भाजपा सांसद ने दावा किया कि रेगिस्तान में पैदा हुए इस्लाम और ईसाई धर्म शरण लेने के लिए यहां आए थे। आप जहां शरण लेते हैं, उस भूमि का उस संस्कृति का आपको सम्मान करना पड़ता है। इस्लाम और ईसाई धर्म विदेशी धर्म हैं। आपको हिंदुओं से सवाल करने का कोई अधिकार नहीं है।

इस्लाम संस्कृति को जबर्दस्ती थोपने के 700 वर्षों के प्रयासों के बावजूद हम अपनी संस्कृति को संरक्षित करने में सफल रहे हैं। मुसलमानों ने ईरान, इराक को निगल लिया और रोमन सभ्यता को खत्म कर दिया, लेकिन आप हमारी सभ्यता को खत्म नहीं कर सके, यह भारतीय सभ्यता की आंतरिक शक्ति है। अपने रुख को दोहराते हुए प्रताप सिम्हा ने कहा कि मुसलमानों को सवाल करने का कोई अधिकार नहीं है। हालांकि संविधान ने सभी को समान अधिकार दिया है, लेकिन किसी को भी अपनी मूल संस्कृति को बदलने का अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हिंदू धर्म कोई धर्म नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। हिंदू प्रथाओं पर कोई सवाल नहीं उठा सकता।

उल्लेखनीय है कि उडुपी जिले के एक

प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज में कुछ मुस्लिम छात्रों द्वारा हिजाब पहनकर कक्षाओं में भाग लेने पर जोर देने के बाद राज्य में हिजाब को लेकर विवाद पैदा हो गया है। दरअसल मुस्लिक छात्राएं हिजाब पहनकर कॉलेज जाना चाहती थीं, जिन्हें कालेज प्रबंधन ने प्रवेश से वंचित कर दिया। इसके बाद छात्राओं ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और राज्य सरकार ने इस मुद्दे को देखने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। इस बीच, विवाद पूरे राज्य में और अधिक कॉलेजों में फैल गया है, जिससे इस मामले ने अब सांप्रदायिक मोड़ ले लिया है, क्योंकि हिंदू छात्रों ने भगवा शॉल के साथ कक्षाओं में भाग लेना शुरू कर दिया है।

कोरोना की रफ्तार घटी, पिछले 24 घंटे में कोरोना के 1 लाख 7474 नए केस सामने आए

-2 लाख से ज्यादा लोगों ने की रिकवरी

नई दिल्ली । कोरोना का घातक वायरस अब सुस्त पड़ने लगा है उसके संक्रमण की रफ्तार धीरे-धीरे कम हो रही है। कोरोना की तीसरी लहर के बीच पिछले 24 घंटे में कोरोना के 1 लाख 7474 नए केस सामने आए और 865 मरीजों की मौत हुई। जबकि 2 लाख से ज्यादा लोगों ने रिकवरी की है। देश में सक्रिय मामले अब 2.9 प्रतिशत पहुंच गए हैं। सक्रिय मामले अब 12 लाख 25011 तक पहुंच गए हैं। वहीं, स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी दी कि अब तक 169 करोड़ से ज्यादा लोगों को कोरोना की खुराक दी जा चुकी है। रविवार को स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी दी कि राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक 169.46 करोड़ टीके की खुराक दी जा चुकी है। वहीं, पिछले 24 घंटे में कोरोना के 107474 नए केस सामने आए। राजस्थान में शनिवार को कोरोना के 5,602 नए मामले सामने आए, जबकि संक्रमण से 19 मरीजों की मौत हो गई। चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, नए संक्रमितों में राजधानी जयपुर में 916, जोधपुर में 615, अलवर में 465, उदयपुर में 341 व गंगानगर में 311 संक्रमित शामिल हैं। राज्य में 9,309 और लोग संक्रमण से मुक्त हो गए और इस समय राज्य में 51,143 वायरस संक्रमितों का इलाज जारी है। पश्चिम बंगाल में कल कोरोना के 1,345 नए मामले सामने आए। राज्य में अब कुल संख्या बढ़कर 20,05,037 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन में कहा गया है कि राज्य में 31 और मरीजों की मौत हो गई, जिसके बाद कोविड-19 से मरने वालों की संख्या बढ़कर 20,789 हो गई है। पिछले 24 घंटे में 2,251 संक्रमित ठीक हुए हैं, जिसके बाद संक्रमण मुक्त होने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 19,64,972 पर पहुंच गई है। राज्य में फिलहाल 19,276 मरीज उपचाराधीन हैं।

इलियाना डिक्रूज

ने शेयर की नॉन-एडिटेड बोल्ड तस्वीर, फैंस बोले-'जो Ileana से जले जरा साइड से चले'

इलियाना डिक्रूज (Ileana Dcruz) सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड फोटोज और वीडियो शेयर करती रहती हैं. बॉलीवुड एक्ट्रेस इलियाना की ग्लैमरस तस्वीरें अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होती है. अब इलियाना ने रेड कलर के बिकिनी में बिना एडिट किए तस्वीर शेयर की है. साथ ही बताया है कि उन्होंने ऐसे सारे ऐप्स डिलीट कर दिए हैं जो उन्हें स्लिम दिखाते हैं. 'बिग बुल' (The Big Bull) एक्ट्रेस ने अपनी बॉडी को लेकर कॉन्फिडेंट रहने का मैसेज भी दिया है.

'जो इलियाना से जले जरा साइड से चले'

दरअसल, इन दिनों कई ऐप्स आ गए हैं जो आपकी तस्वीर को स्लिम ट्रिम दिखाते हैं. इसका यूज एक्ट्रेस से लेकर तमाम महिलाएं और लड़कियां करती रहती हैं. खुद की तस्वीर में फिट दिखने के लिए ऐसे ऐप्स का इस्तेमाल इन दिनों धड़ल्ले से किया जा रहा है. ऐसे में इलियाना डिक्रूज ने सीख देते हुए इंस्टाग्राम पर अपनी बिना फिल्टर वाली बिकिनी फोटो शेयर की है. एक्ट्रेस ने बताया भी है कि बिना किसी एडिटिंग ऐप्स के इस्तेमाल की फोटो है. खुद को स्लिम या टोंड दिखाने के लिए किसी तरह के ऐप्स यूज नहीं किया है. इलियाना के इस कदम की फैंस तारीफ करते हुए उन्हें गॉर्जियस बता रहे हैं. फैंस लगातार तारीफ कर रहे हैं तो वहीं एक ने मजेदार कमेंट करते हुए लिखा कि 'जो इलियाना से जले जरा साइड से चले'.

इलियाना ने दिया स्ट्रॉन्ग मैसेज

इलियाना डिक्रूज (Ileana DÓcruz) ने इंस्टा स्टोरी पर अपनी बिकिनी फोटो शेयर कर बताया कि सभी फोटो एडिटिंग ऐप्स को फोन से हटा दिया है. एक्ट्रेस ने लिखा 'ऐसे ऐप्स में फंसना आसान है जो आपकी बॉडी को आसानी से चेंज कर देते हैं, जिससे आप स्लिम,टोंड दिखते हैं..मुझे गर्व है कि मैंने उन सभी ऐप्स को हटा दिया है. ये मैं हूं और मैं हर इंच, हर कर्व को पसंद करती हूं'.

इलियाना को आते थे सुसाइड के ख्याल

बता दें कि इलियाना डिक्रूज ने पहले भी कहा था कि वह बॉडी डिस्मॉर्फिक डिसऑर्डर से पीड़ित थीं, जिसकी वजह से उन्हें सुसाइड करने का ख्याल भी आया. इलियाना ने बताया कि किस तरह से ऐसी समस्या छुटकारा पाया. एक्ट्रेस ने थेरेपी की मदद से इससे उबर पाईं. एक्ट्रेस ने समझ लिया है कि हमे अपनी बॉडी से प्यार करना चाहिए, हमेशा सब कुछ परफेक्ट नहीं होता है.

इलियाना डिक्रूज के वर्कफ्रंट की बात करें तो आखिरी बार उन्हें अभिषेक बच्चन के साथ 'द बिग बुल' में देखा गया था. इलियाना रणबीर कपूर के साथ 'बर्फी' में काम कर चुकी हैं. इसके अलावा 'रुस्तम', 'हैप्पी एंडिंग', 'फटा पोस्टर निकला हीरो' जैसी फिल्मों में नजर आई थीं.

अब अनुपमा पर चढ़ा 'कच्चा बादाम' का खुमार, लेकिन अनुज को ना देख निराश हो गए फैन

बंगाली लोक गीत 'कच्चा बादाम (Kacha Badam)' ने इन दिनों इंटरनेट पर धूम मचाई हुई है. कुछ हफ्ते पहले जब से यह गाना सोशल मीडिया (Social Media) पर सामने आया है, तब से कई हस्तियां कच्चा बादाम पर रील्स बना कर इंस्टाग्राम और अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर चैलेंज के रूप में एसे शेयर कर रहे हैं. हाल ही में, अनुपमा (Anupamaa) यानी रूपाली गांगुली (Rupali Ganguly) ने भी इस चैलेंज को स्वीकार किया और अपने भतीजे के साथ वायरल हो रहे बंगाली गाने पर डांस किया.

अनुपमा स्टार ने अपने शानदार डांस मूव्ज से इंटरनेट पर हलचल मचा दी है. वीडियो में रुपाली गांगुलू मस्टर्ड कलर के सूट में नजर आ रही हैं, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं. रुपाली अपने डांस के साथ ही अपने खूसूरत लुक से भी फैंस के बीच चर्चा में आ गई हैं. वीडियो पर कमेंट करते हुए कई यूजर उनके खूबसूरत अंदाज की तारीफ कर रहे हैं. वहीं कुछ यूजर रुपाली गांगुली से उनके अनुपमा के को-स्टार गौरव खन्ना यानी अनुज को लेकर भी सवाल कर रहे हैं.

डांस वीडियो को शेयर करते हुए रूपाली ने लिखा, जब मैं एक ट्रेंडिंग बंगाली गाना सुनती हूं, तो मेरे अंदर का बंगाली हावी हो जाता हैज अपने भतीजे के साथ मस्ती करते हुए. बता दें, रुपाली गांगुली टीवी टाउन की सबसे ज्यादा फीस पाने वाली एक्ट्रेस बन गई हैं. अनुपमा के जरिए अब घर-घर की पसंद बन चुकी रुपाली गांगुली एक एपिसोड का 3 लाख वसूलती हैं.

बॉलीवुड लाइफ के मुताबिक, रूपाली गांगुली कथित तौर पर अनुपमा के लिए प्रति एपिसोड 3 लाख रुपये कमा रही हैं. ₹रूपाली गांगुली ने प्रति दिन 1.5 लाख रुपये की फीस के साथ शुरुआत की थी. लेकिन, अब वह रोजाना 3 लाख रुपये कमा रही हैं. ह भारतीय टीवी पर सबसे अधिक फीस पाने वाली एक्ट्रेस बन गई हैं. उन्होंने इस इंडस्ट्री से जुड़े अन्य लोकप्रिय युवा सेलेब्स को पीछे छोड़ दिया है.

गोल्ड स्मगलिंग केस में Bigg Boss में दिख चुकी मशहूर एक्ट्रेस से पूछताछ, नाम और सर्जरी से चेहरा बदलने का आरोप!

अभिनेत्री अक्षरा रेड्डी (Akshara Reddy) कमल हासन (Kamal Haasan) द्वारा होस्ट किए गए 'बिग बॉस 5 तमिल' की स्टार प्रतियोगियों में से एक थीं, जिसका हाल ही में विजय टीवी पर समापन हुआ है. एक्ट्रेस बिग बॉस हाउस से 84वें दिन बाहर निकली थीं और बाद में उन्होंने ग्रैंड फिनाले के दौरान 104वें दिन बतौर गेस्ट पर बनकर पार्टीसिपेट किया. इन दिनों एक्ट्रेस का नाम कानूनी विवादों को लेकर सुर्खियों में हैं जिसके लिए उनसे हाल ही में कोजिकोड ईडी के दफ्तर (Kozhikode office of ED) में पूछताछ हुई.

2013 में के गोल्ड स्मगलिंग मामले में शामिल अक्षरा का करीबी

केरल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोने की तस्करी का मामला 2013 में दर्ज किया गया था, जिसके सिलसिले में अक्षरा को प्रवर्तन निदेशालय (Enforcement Directorate) ने पूछताछ के लिए बुलाया है. ऐसा कहा जाता है कि केरल में कोझीकोड ईडी कार्यालय में उससे कई घंटों तक पूछताछ की गई थी और इस मामले को लेकर एक बार फिर एक्ट्रेस चर्चा में हैं. indiaglitz के अनुसार, अक्षरा पर आरोप लगाया गया है कि असली नाम श्रव्य सुधाकर (Shravya Sudhakar) है और वे उस वक्त मॉडलिंग में थी जब सोने की तस्करी के मामले (Kerala Gold smuggling case) ने केरल के लोगों को बड़ा झटका लगा था. बताया जाता है कि इस सनसनीखेज मामले में अभिनेत्री के एक करीबी को शामिल पाया गया है.

अक्षरा पर है असली पहचान छिपाने के आरोप

बता दें कि गोल्ड स्मगलिंग मामले (Gold smuggling case) में अक्षरा के जिस दोस्त के शामिल होने की बात हो रही है उसका नाम फैज है जो वडकारा के मूल निवासी हैं. 19 सितंबर, 2013 को कोच्चि हवाई अड्डे के माध्यम से बुर्का पहने दो महिलाओं को 20 किलो सोने की तस्करी करते हुए पकड़ा गया था. अक्षरा पर ये भी आरोप है कि गोल्ड स्मगलिंग केस के बाद ही उन्होंने न सिर्फ अपना नाम बदला बल्कि अपने चेहरे पर प्लास्टिक सर्जरी भी करवाई.

मामले में मुख्य आरोपी सहित 2 कस्टम अधिकारी भी हुए थे अरेस्ट

जांच टीम ने बाद में तस्करी के मामले में मुख्य आरोपी फैज और दो कस्टम अधिकारियों (Customs officials) को गिरफ्तार किया था. जांच से पता चला था कि फैज के फिल्मी हस्तियों से संबंध थे. अधिकारियों को पहले ही शक था कि फैज फिल्म इंडस्ट्री में सोने की तस्करी के जरिए कमाए गए पैसे का इस्तेमाल कर रहा है.

पूनम पांडे अब करना चाहती हैं मां-बहन के रोल, बोलीं- जब लोग मुझे बोल्ड कहते हैं, तब...

पूनम पांडे (Poonam Pandey) बीते दिनों पति सैम बॉम्बे (Sam Bombay) के साथ हुए अपने विवाद को लेकर सुर्खियों में रही थीं. पूनम पांडे ने अपने पति के खिलाफ मुंबई पुलिस में मारपीट की शिकायत दर्ज कराई थी. एक्ट्रेस की शिकायत के बाद मुंबई पुलिस ने सैम बॉम्बे को गिरफ्तार कर लिया था. दूसरी तरफ अपनी बोल्ड और ग्लैमरस इमेज के चलते भी पूनम पांडे विवादों से घिरी रहीं. लेकिन, अब एक्ट्रेस अपनी इस इमेज से बाहर आना चाहती हैं और कुछ सीरियस रोल करना चाहती हैं.

पूनम पांडे का कहना है कि वह अब बोल्ड और ग्लैमरस रोल्स से अलग सीरियस किरदार निभाना चाहती हैं. वह दर्शकों को अपनी एक्टिंग स्किल्स दिखाने के लिए फिल्मों में मां-बहन के रोल करना चाहती हैं. एक इंटरव्यू में पूनम पांडे ने सीरियस रोल निभाने की अपनी ख्वाहिश जाहिर की है. इसके साथ ही उन्होंने अपनी इमेज, सोशल मीडिया पोस्ट्स और पोर्न इंडस्ट्री पर भी बात रखी है.आजतक डॉट इन को दिए इंटरव्यू में पूनम पांडे ने कहा- 'मैं सोशल मीडिया पर अपने फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए ऐसे बोल्ड वीडियोज और तस्वीरें डालती हूं. मैं पूरी ईमानदारी के साथ अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती हूं और मैं ऐसी ही हूं. हो सकता है कि हमारी सोसाइटी का माइंडसेट अलग हो, लेकिन जब आप मुझे बोल्ड कहते हैं तो ये मेरे लिए बहुत ही खूबसूरत शब्द है. " मैं अब तक जितने लोगों से मिली हूं, वे सब अलग हैं. औरतें मुझसे कहती हैं कि मेरे पति आपको बहुत पसंद करते हैं. कपल्स मेरे साथ फोटोज क्लिक कराते हैं. लोग अब ओपन माइंड हो चुके हैं और ये सब देखकर अच्छा लगता है. मैं सोशल मीडिया पर जो कुछ करती हूं, फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए करती हूं. जो लोग मुझ पर गलत कमेंट करते हैं, मैं उनकी परवाह नहीं करती. कई लोग कहते हैं कि मैं पोर्न इंडस्ट्री का हिस्सा हूं, लेकिन उन्हे इरॉटिका और पोर्न के बीच का अंतर नहीं पता होता है.'

मतदान के दिन सारा काम छोड़कर बटन दबाने की अपील की

संवाददाता

लखनऊ। नोएडा विधानसभा में विधायक पंकज सिंह ने चिकित्सा संवर्ग एवं हिंदू सेना की संयुक्त मीटिंग में सभी से अपील की कि सभी उपस्थित लोगों ने भाजपा को जिताने का आश्वासन दिया। डॉक्टर राजीव लोचन शुक्ला राष्ट्रीय युवा वाहिनी शंखनाद के राष्ट्रीय महासचिव ने अपने उद्बोधन में विधायक जी को आश्वस्त किया कि राष्ट्रीय युवा वाहिनी शंखनाद पूरे प्रदेश में कमल खिलाने के लिए तन मन धन से लगी हुई है। कृपा शंकर दुबे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राष्ट्रवादी ब्राह्मण महासभा नई दिल्ली ने विधायक जी को आश्वस्त करते हुए अपना आशीर्वाद दिया।अतुल राजपूत ने सबसे कमल के फूल में मतदान के दिन सारा काम छोड़कर बटन दबाने की अपील की।

37 वां प्रयाग महोत्सव सम्पन्न

संवाददाता

लखनऊ। सनातन धर्म परिषद शिविर माघ मेला प्रयागराज में 37 वां प्रयाग महोत्सव आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में स्वामी अखंडानंद कोलकाता . स्वामी तरुणानंद स्वामी दशरथ दास वृंदावन. श्रीतुलसीदास, परमहंस जूनागढ़, स्वामी साधना नंद. सोमनाथ गिरी एवं सर्वेश्वरी देवी पन्ना तथा प्रतापगढ़ जौनपुर लखनऊ और वाराणसीआदि स्थानों से पधारे साधु संतों ने भाग लिया। सुरेंद्र कुमार शुक्ला और श्री अनिल तिवारी राजू बहराइच ने विशाल भंडारा का आयोजन किया। डॉ. स्वामी भगवदाचार्य अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष सनातन धर्म परिषद ने उक्त जानकारी दी।

समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बालागंज वार्ड में किया जनसम्पर्क बताया सपा का एजेंडा।

संवाददाता

लखनऊ। विधानसभा चुनाव को लेकर जहाँ एक ओर सभी पार्टियाँ ने कमर कस रखी है वहीं हम बात करते है पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र की जहाँ समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जनसम्पर्क कर सपा के एजेंडो एवं नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने एवं सपा पश्चिमी विधानसभा प्रत्याशी अरमान खान के पक्ष में जनसम्पर्क कर उनके द्वारा जनता के प्रति विगत कई वर्षों से समर्पित रहने व सुख दुख का साथी बताया वही बालागंज वार्ड बरौना सहित अन्य मोहल्ले मोहल्ले मे जाकर जनसम्पर्क किया और कहा सपा का हर कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं आमजनमानस सभी अरमान है और बूथ बूथ लेवल तक जाकर हम उनका एजेंडा पहुँचा रहे है।

सपा प्रत्याशी को जिताने के लिए महोना में जनसंपर्क करके वोट और सपोर्ट की अपील करते

बीकेटी लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आवाहन पर समाजवादी पार्टी एवं पिछड़ा मुस्लिम मोमिन समाज संगठन के पदाधिकारियों ने नगर पंचायत महोना के कई वार्डों में डोर टू डोर जनसंपर्क करते हुए समाजवादी पार्टी के बख्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी भाई गोमती यादव के लिए वोट मांगते हुए और समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए जनता के बीच में पूर्व में किए गए प्रदेश के चौमुखी विकास के लिए समाजवादी पार्टी के चुनाव निशान साइकिल पर बटन दबाकर भारी मतों से जिताने की अपील करते हैं साथ में समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष रमेश चंद बाबू जी, पूर्व पार्षद सदस्य जिला नीति आयोग के मोहम्मद अकील खान, पूर्व सभासद मोहम्मद वसीम, संगठन के प्रदेश महासचिव मोहम्मद रईस, संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद आदिल खान, मुन्ना सामानी, हाशिम बेग, इसहाक मोहम्मद, सलाउद्दीन, इश्तियाक अहमद, सपा युवा नेता मोहम्मद तौहीद खान, शकील इदरीसी, पूर्व सभासद राम अवतार, के साथ समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को जिताने के लिए जन संपर्क करते हुए पाठशाला मो

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा पूरे प्रदेश में भाजपा का करेगी समर्थन बनेगी पूर्ण बहुमत की सरकार

सपा दूर-दूर तक लड़ाई में नही, उत्तरी में बसपा होगी दूसरे नम्बर की पार्टी- नीरज बोरा, उत्तरी विधायक

आनंद राय

लखनऊ। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित राजेंद्र नाथ त्रिपाठी ने नीरज बोरा को प्रतीक चिन्ह भेंट करते हुये भगवान परशुराम का फरसा सप्रेम भेंट कर विजय का आशीष दिया और कहा पूरे प्रदेश में भाजपा पूर्ण बहुमत की सरकार बनायेगी वही विधायक नीरज बोरा ने कहा कि जो विकास पिछले 70 वर्षों में नही हुआ वह हमारी सरकार ने पांच वर्षों में कर दिखाया और प्रमुख रूप से सड़कों, नाली, सीवर, जल, सेनेटाइजेशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिया निर्माण, पुराने लखनऊ(चौक) का सौन्दर्यीकरण और पार्कों सहित अन्य मुद्दों पर हमने विस्तार से कार्य किया और पूर्ववर्ती सरकारों ने कब्रिस्तान को पक्का करवाया और हमने घर-घर पानी पहुँचाने की रूपरेखा बनायी और हमारे सामने सीधी लड़ाई में सपा के प्रत्याशी दूर दूर तक नही है और अगर थोड़ा बहुत कोई है तो बसपा होगी इस अवसर पर उत्तरी विधानसभा प्रत्याशी विधायक नीरज बोरा एवं शिक्षक एमएलसी अवनीश कुमार सिंह, मनोनीत पार्षद अन्नू मिश्रा, पूर्व पार्षद अनुराग पाण्डेय सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित राजेंद्र नाथ त्रिपाठी ने पूरे प्रदेश में भाजपा सरकार का समर्थन करते हुए कहा कि ब्राह्मण ने शंख बजाकर विजयघोष कर दिया है लेकिन सरकार बनते ही सवर्ण आयोग का गठन व भगवान परशुराम की जयन्ती पर अवकाश सुनिश्चित होना आवश्यक है शिक्षक एमएलसी अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि हमारी सरकार ने शिक्षको, बेरोजगारी को रोजगार से जोड़ने सहित अन्य मुद्दों पर विशेष बल दिया है और नई शिक्षा नीति से भी आवाम को बड़ा लाभ होगा और आवाम भाजपा के साथ है और हम पूर्ण बहुमत की सरकार बनायेगे।

राजधानी की महिला व्यापारियों ने विधानसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने एवं अनिवार्य मतदान करने का संकल्प लिया

❏ लोकतंत्र में नागरिकों के पास वोट का सबसे बड़ा हथियार, वोट का प्रयोग अवश्य करें– अनिला अग्रवाल
❏ वोट की ताकत से ही लोकतंत्र स्वस्थ एवं मजबूत होता है– संजय गुप्ता

प्रफुल्ल कुमार राय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के अयोध्या रोड स्थित प्रदेश कार्यालय में संगठन की महिला पदाधिकारियों एवं महिला व्यापारियों ने विधानसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने एवं अनिवार्य रूप से मतदान करने का संकल्प लिया संगठन की महिला इकाई की नगर अध्यक्षा श्रीमती अनिला अग्रवाल ने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता की उपस्थिति में महिला व्यापारियों को चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने, स्वयं,परिवार , पड़ोसियों, परिचितों एवं व्यापारियों को अनिवार्य रूप से मतदान करने हेतु प्रेरित करने तथा जागरूक करने का संकल्प दिलाया

इस अवसर पर संगठन की नगर अध्यक्षा श्रीमती अनिला अग्रवाल ने बोलते हुए कहा लोकतंत्र में नागरिकों के पास वोट का अधिकार सबसे बड़ा हथियार है अत: सभी को अपनी जिम्मेदारी से अपने वोट का प्रयोग अवश्य करना चाहिए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा वोट की ताकत से ही लोकतंत्र मजबूत होता है सभी को वोट अवश्य करना चाहिए तभी अच्छी सरकार का निर्माण हो सकता है संकल्प लेने वालों में संगठन की महिला पदाधिकारियों में मुख्य रूप से संगठन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती मीनू सक्सेना, उपाध्यक्ष कु. शिखा मिश्रा, उपाध्यक्ष रेनू अग्रवाल, ट्रांस गोमती की अध्यक्ष श्रीमती अंजली मौर्य संगठन मंत्री रेनू सिंह, मंत्री नेहा रस्तोगी , श्रीमती कंचन यादव, श्रीमती अरुणा मिश्रा आदि महिला पदाधिकारी शामिल थी।

ग्राम अहेमी में सपा प्रत्याशी आसिफ खां बब्बू को अपार जन समर्थन

विवेक राय

शाहाबाद ग्राम अहेमी में पूर्व विधायक सपा प्रत्याशी आसिफ खां बब्बू ने कहा कि उन्होंने क्षेत्र की जनता को सदैव अपना परिवार समझा है और आज तक जो भी व्यक्ति हमसे जुड़ा वह कभी अलग नहीं हुआ जिसका जीता जागता उदाहरण हैं कि हमारा वोट प्रतिशत सदैव बढ़ता रहा है जो जनता के प्यार व समर्थन का ही नतीजा है। उन्होंने कहा कि इस बार जनता बदलाव चाहती हैं क्योंकि इस बीजेपी सरकार ने सिर्फ लोगों को ठगने का काम किया हैं नौजवान बेरोजगार हैं तो वही किसानों को दिन रात फसल बचाने के लिए जागना पड़ता हैं। पूर्व विधायक बब्बू ने कहा कि क्षत्रिय समाज को भरोषा दिलाते हुए कहा कि साथियों आप सबके द्वारा मिल रहे सम्मान को आपका यह भाई जिन्दगी भर नहीं भूलेगा आप सभी का सदा सम्मान बना रहेगा क्योंकि विधायक हम नहीं हमारी सम्मानीय जनता होगी। इस अवसर पर सपा महिला सभा की जिलाध्यक्ष गीता सिंह,उषा गुप्ता,मंजू वर्मा,रेखा सिंह,पूर्व प्रधान योगेश शर्मा,छंगा,कमलेश यादव,प्रधान धर्मेंद्र कश्यप,गुड्डू, पुतान सिंह,क्षेत्र पंचायत सदस्य ओमपाल,प्रशांत,राम नरेश,शिशुपाल,महेश यादव,लाल सिंह ,रमेश, अफजाल खां,राजू खां समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मतदाता उपस्थित रहे।सभी समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को जिताने की हुंकार भरी।

राष्ट्रहित में यूपी में भाजपा सरकार जरूरी- मेजर वीरेंद्र सिंह तोमर

संवाददाता

लखनऊ। भारतीय संस्कृति को बचाने व राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए भारतीय जनता पार्टी एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है जो बीते कई दशकों से इसी दिशा में सक्रियता से कार्य कर रही है। बदले हुए हालातों में हर देशवासी की जिम्मेदारी है कि वह उसी राजनीतिक पार्टी को सत्ता में लाए जो राष्ट्रवाद को आगे बढ़ाने में विश्वास रखती हो। बीते पांच सालों में प्रदेश की योगी सरकार ने जिस तरह अराजकता को खत्म कर कानून का राज कायम किया और भ्रष्टाचार को काबू करने का हर संभव प्रयास किया, ऐसे में सभी प्रदेशवासियों की जिम्मेदारी है कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को भारी मतों से विजयी बनाकर एक बार फिर सूबे में भाजपा को सत्तारूढ़ करें। यह बात कन्नौज सदर से भाजपा प्रत्याशी असीम अरुण के पक्ष में जन सम्पर्क करते हुए मेजर वीरेंद्र सिंह तोमर ने मतदाताओं से मुलाकात के दौरान कही। उन्होंने कहा कि कन्नौज सदर विधानसभा सीट पर भाजपा का ही परचम लहराएगा। मतदाताओं ने मन बना लिया है कि वह किसी प्रत्याशी को नाराज भले न करे लेकिन मतदान करते समय कमल का फूल ही उनकी प्राथमिकता होगी।

अधिशासी अधिकारी ने किया गौशाला का निरीक्षण

गौशाला में हरा चारा व भूंसा उचित मात्रा में है उपलब्ध– गिरिजेश वैश्य

रवि शंकर तिवारी

इटौंजा, लखनऊ। लखनऊ की नगर पंचायत इटौंजा की गौशाला का निरीक्षण अधिशासी अधिकारी गिरिजेश वैश्य ने किया। बता दें कि निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी ने अपने हाथों से हरा चारा गायो व बछड़ों को खिलाया तथा गौशाला में उचित मात्रा में गायों को घुसा दिया जाता हैं सुबह शाम दो टाइम गायों को हरा चारा भी दिया जाता है। गौशाला की साफ सफाई सुबह-शाम प्रतिदिन कर्मचारी द्वारा की जाती है वहीं कड़ाके की ठंड को देखते हुये अधिशासी अधिकारी के आदेश अनुसार कर्मचारी द्वारा गायों को जूट की बोरियां उड़ाई जाती हैं जिससे कि उनको ठंड न लग पाये।

क्या बोले जिम्मेदार

नगर पंचायत इटौंजा अधिशासी अधिकारी गिरिजेश वैश्य ने बताया कि रोजाना गौशाला का निरीक्षण प्रतिदिन मैं स्वयं जाकर करता हूं गायों के लिए हरा चारा उचित मात्रा में भूसा व जाड़े को देखते हुये अलाव भी जलवाया जाता है जूट की बोरी भी उड़ाई जाती है जिससे कि गायों को सर्दी ठंडी न लग सकें।

लाव लश्कर के साथ मुकुल सिंह आशा भाजपा में शामिल, सपा में मची खलबली

❏ जिला प्रभारी, जिलाध्यक्ष पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष व भाजपा प्रत्याशी की मौजूदगी में भाजपा में हुए शामिल
❏ उनके साथ कई प्रधान, बीडीसी सदस्य व अधिवक्ताओं ने भाजपा में जताई आस्था

विशाल

हरदोई। सपा नेता मुकुल सिंह आशा के साथ अनीश प्रधान आशा गांव, अरुण सिंह कौठा, अनीश सिंह क्षेत्र पंचायत सदस्य कौढ़ा, गजेंद्र सिंह पूर्व जिला उपाध्यक्ष सपा, अनुराग श्रीवास्तव राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चित्रगुप्त धाम, डॉक्टर प्रतीक त्रिवेदी जिलाध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ प्रसपा, अनुपम सिंह जिला उपाध्यक्ष करनी सेना, इस्माइल खा हरदोई के साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने ग्रहण की भाजपा की सदस्यता। राष्ट्रवादी विचारधारा से ओतप्रोत भारतीय जनता पार्टी में पूर्ण निष्ठा व आस्था जताते हुए सपा के छात्र सभा के राष्ट्रीय सचिव मुकुल सिंह आशा ने सपा को त्याग दिया तथा भाजपा में शामिल होकर समाजवादी खेमे में खलबली मचा दी है।

लगभग एक दशक तक सपा में रहे मुकुल सिंह आशा राजनीतिक क्षेत्र में अपनी एक साख बनाए हुए थे और वही ताकत भाजपा की सदर विधानसभा सहित 8 विधानसभाओं में नई ऊर्जा ताकत देकर भाजपा की विजय पताका फहराने का काम करेंगे।

जिला प्रभारी प्रकाश पाल ने मौजूद सैकड़ों समर्थकों को भाजपा की मोबाइल से सदस्यता ग्रहण करवाकर कहा कि जनपद से सपा के सफाए की शुरुआत हो चुकी है।

जिला प्रभारी ने कहा कि भाजपा में सर्व समाज को मिलता है सम्मान। भाजपा एक सामूहिक परिवार है जो कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से चलती है। श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेई, नरेंद्र मोदी, अमित शाह किसी राजनैतिक खानदान से नहीं बल्कि एक सामान्य कार्यकर्ता थे।

भाजपा ऐसे परिश्रमी कार्यकर्ताओ को आगे बढ़ाने का कार्य करती है। यूपी विधान सभा में पिछले 2-3 दशकों से कांग्रेस सपा और बसपा का ही वर्चस्व रहा।

इन वर्षों में प्रदेश के विकास को आज के प्रदेश की हालात की तुलना करिए तो पता चलता है कि इन्होंने सिर्फ अपने परिवार और अपनी पार्टी का विकास किया। जनता को जात पात में बांटकर एक दूसरे ने राज किया।

2017 में पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार ने विकास पांच सालो में विकास को धरातल पर उतार कर दिखाया। आवास, शौचालय, बिजली, पानी, किसान सम्मान निधि, महिला सशक्तकरण, मुफ्त राशन, मुफ्त वैक्सीन, एक्सप्रेसवे, राम मंदिर, काशी कॉरिडोर, ऐसे अनगिनत मुद्दे है जिनको गिनाते थक जायेंगे । जिससे जनता को सीधे लाभ पहुंचा है। प्रदेश की माताओं और बहनों का रिकॉर्ड मत भाजपा के साथ है। जिला अध्यक्ष सौरभ मिश्र नीरज ने मुकुल सिंह आशा का भाजपा में स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय विचारधारा से प्रभावित होकर आज सैकड़ों समर्थकों के साथ परिवार में शामिल हुए है। सौरभ मिश्र ने संबोधित करते हुए कहा कि जनता जान चुकी है कि विकास का पूरक भाजपा ही है, जो कहती है वो करती है। प्रदेश से माफिया राज खत्म करने का संकल्प लिया था। आज हालात ऐसे है कि योगी के डर से गुंडा अपने आप जेल में जाने को आतुर है। विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भाजपा ने कभी धर्म की राजनीति नही की, धर्म के लिए काम किया।

इस मौके पर सदर विधायक नितिन अग्रवाल भी मौजूद रहे। नितिन अग्रवाल ने सपा नेता मुकुल सिंह का भाजपा परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा सरकार देश का भविष्य है। कोरोनाकाल में भाजपा का जनप्रतिनिधि से लेकर एक एक कार्यकर्ता जनता के सुख दुख में मदद को खड़ा रहा।

समाज के हर वर्ग को सम्मान दिलाने का कार्य किया। स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा, सड़क, स्वच्छता, बिजली, पानी जैसी मूलभूत समस्याओं को आम आदमी की जद तक पहुंचने का काम किया। विपक्ष भ्रम में है, भाजपा पूर्ण बहुमत से प्रदेश में सरकार बनाएगी।

लखनऊ उत्तरी विधानसभा के प्रत्याशी पूजा शुक्ला के लिए प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों ने किया जनसंपर्क- मुर्तुजा अली

राधा गुप्ता

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव आमिर खालिद खान साहब ने विधानसभा क्षेत्र 172 से सपा गठबंधन उम्मीदवार पूजा शुक्ला जी के लिए फै जुल्लागंज में आज एक मीटिंग और जनसंपर्क का कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें मुख्य अतिथि पूजा शुक्ला जी उम्मीदवार के तौर पर उपस्थित रहें खुसूसी मेहमान के रूप में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के शहर अध्यक्ष और प्रवक्ता मुर्तुजा अली मौके पर उपस्थित रहे मुर्तुजा अली जी ने लोगों से अपील की की माननीय अखिलेश सिंह यादव जी ने आपके बीच से लोकप्रिय और कर्मठ उम्मीदवार भेजा है आप सब लोग मिलकर उनको बड़ी जीत दिलाएं आमिर खालिद साहब ने इस मौके पर प्रत्याशी पूजा शुक्ला जी के लिए फै जुल्लागंज में सभी धर्मों से वोट करने की अपील की इस मौके पर प्रगतिशील समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नबी रसूल सचिव यासिर साहब नगर अध्यक्ष मोहम्मद ताज मोहम्मद शमीम अमन मिश्रा मोहम्मद फिरोज क्षेत्र की जनता प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के सभी प्रदेश व जिला पदाधिकारी मौजूद रहे !

सपा गोविंद नगर प्रत्याशी का जनता ने किया भव्य स्वागत

कानपुर, समाजवादी पार्टी गोविंद नगर प्रत्याशी सम्राट विकास यादव का विजयनगर सब्जी मंडी, मस्जिद वाली गली, धोबी घाट व अन्य क्षेत्रों में भव्य स्वागत किया गया! सम्राट विकास यादव ने कहा कि काम किया है काम करेंगे झूठे वादे नहीं करेंगे 300 यूनिट बिजली फ्री, वृद्धा पेंशन 1500, रोजगार, पुरानी पेंशन होगी बहाल! इस अवसर पर बऊवा ठाकुर सिंह की मिश्रा मन्नत नैयर अभय यादव डॉक्टर निसार शेर सिंह यादव राजू मोहम्मद अकील, इत्यादि लोग रहे!

उवैसी पर हमला, कायराना कदम शहर काजी कानपुर

कानपुर। असदुद्दीन पर हुए हमले को लेकर शहर काजी कानपुर मौलाना मुफ्ती मोहम्मद साकिब अदीब मिस्बाही ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मसूरी डासना में बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी पर हमला कायरों की एक साजिश है प्रदेश में जहां तमाम सियासी पार्टियां हिस्सा ले रही हैं और कुर्सी हथियाने का ख्वाब देख रही है मजलिस इत्तेहादुल मुस्लिमीन के मुखिया पर हमला कर उन्हे डराने की साजिश करना लोकतंत्र पर एक बदनुमा दाग है दोषियों को तुरंत गिरफतार कर सबक सिखाया जाना चाहिए ताकि इंसाफ बहाल हो सके।

आई.एस.सी. एवं आई.सी.एस.ई बोर्ड परीक्षा के प्रथम सेमेस्टर में सी.एम.एस. छात्रों ने लहराया परचम

❏ 1850 छात्रों ने 90 प्रतिशत से लेकर 99.51 प्रतिशत तक अंक अर्जित कर बनाया कीर्तिमान

कुलदीप त्यागी

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के मेधावी छात्रों ने एक बार फिर से आई.एस.सी. (कक्षा-12) एवं आई.सी.एस.ई (कक्षा-10) की बोर्ड परीक्षा के प्रथम सेमेस्टर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर अपने मेधात्व का परचम लहराया है। विद्यालय के 1850 छात्रों ने 90 प्रतिशत से लेकर 99.51 प्रतिशत तक अंक अर्जित किये हैं। सी.एम.एस. कानपुर रोड कैम्पस की छात्रा कनिष्क मित्तल ने आई.सी.एस.ई (कक्षा-10) के प्रथम सेमेस्टर में 99.51 प्रतिशत अंक अर्जित कर अव्वल रहे तो वहीं दूसरी ओर आई.एस.सी. (कक्षा-12) में सी.एम.एस. राजाजीपुरम (प्रथम कैम्पस) के मोहम्मद कैफ खान ने 98.67 प्रतिशत अंक अर्जित कर अव्वल रहे हैं।

सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी श्री हरि ओम शर्मा ने बताया कि आई.सी.एस.ई. (कक्षा-10) के प्रथम सेमेस्टर में 99 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले छात्रों में कनिष्क मित्तल (99.51 प्रतिशत), शगुन सिंह (99.27 प्रतिशत), अर्चिता सिंह (99.27 प्रतिशत), समर्थ रघुवंशी (99.02 प्रतिशत), देव प्रताप सिंह (99.02 प्रतिशत), अभिषेक गुप्ता (99.02 प्रतिशत), तन्मय सिंह (99.02 प्रतिशत) एवं आशिमा वर्मा (99.02 प्रतिशत) प्रमुख हैं। इसी प्रकार, आई.एस.सी. (कक्षा-12) बोर्ड परिणाम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों में मोहम्मद कैफ खान (98.67 प्रतिशत), नमन मिश्रा (98.41 प्रतिशत), उज्जवल शर्मा (98.38 प्रतिशत), सिमरन सिंह (98.18 प्रतिशत), आर्यन वर्मा (98.18 प्रतिशत) एवं देवांश बंसल (98.11 प्रतिशत) प्रमुख हैं। श्री शर्मा ने बताया कि आई.सी.एस.ई. (कक्षा-10) की बोर्ड परीक्षा के प्रथम सेमेस्टर में सी.एम.एस. से कुल 3717 छात्रों ने प्रतिभाग किया, जिसमें से 1247 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किये हैं।

इसी प्रकार, आई.एस.सी. (कक्षा-12) की बोर्ड परीक्षा के प्रथम सेमेस्टर में सी.एम.एस. से कुल 3116 छात्रों ने प्रतिभाग किया, जिसमें से 603 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किये हैं।

इस प्रकार आई.एस.सी. एवं आई.सी.एस.ई. की बोर्ड परीक्षा के प्रथम सेमेस्टर के परिणामों ने एक बार फिर दिखा दिया कि गुणात्मक शिक्षा के क्षेत्र में सिटी मोन्टेसरी स्कूल सर्वश्रेष्ठ है।

सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने विद्यालय के सभी मेधावी छात्रों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

निवेशकों को मिलेगा भारत की सबसे बड़ी कंपनियों से लाभ उठाने का अवसर

लखनऊ। आईडीएफसी म्यूचुअल फंड ने आईडीएफ सी निफ्टी 100 इंडेक्स फंड के शुभारंभ की घोषणा की, जो एक ओपन-एंडेड इक्विटी योजना है जिसका लक्ष्य निफ्टी 100 इंडेक्स की का प्रतिरूप बनकर लंबी अवधि में निवेशकों के लिए वेल्थ क्रिएट करना है। यह इंडेक्स फंड इंडेक्स में शामिल बाजार पूंजीकरण द्वारा शीर्ष 100 सबसे बड़ी कंपनियों के एक्सपोजर से लाभ के लिए अच्छी तरह से तैयार किया गया है। वित्तीय सेवाओं, सूचना प्रौद्योगिकी, तेल और गैस और उपभोक्ता वस्तुओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश पोर्टफोलियो मिक्स के प्रभावी विविधीकरण की सुविधा प्रदान करता है। फंड सभी निवेशकों के लिए फायदेमंद है क्योंकि वे विभिन्न शेयरों और म्यूचुअल फंडों पर शोध करने और चयन करने से बच सकते हैं क्योंकि अगले साल के विजेता की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है। यह मैन्युअल रूप से दोहराए गए इंडेक्स फंड को पुनर्संतुलित करने से बचने में भी मदद करेगा। यह फंड आईडीएफसी म्यूचुअल फंड माइक्रोसाइट https://bit-ly/3HoT9K8 पर सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध है, जिसमें न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) सोमवार, 07 फरवरी, 2022 को खुल रहा है और शुक्रवार, 18 फरवरी, 2022 को बंद हो रहा है।

पेंग शुआइ ने कहा, नहीं लगाये थे यौन उत्पीड़न के आरोप

बीजिंग। चीन की टेनिस स्टार पेंग शुआइ ने फ्रांस के एक अखबार को बताया कि उन्होंने कभी चीनी अधिकारी के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप नहीं लगाये थे और उनकी कुशलक्षेम को लेकिन दुनिया भर में चिंता 'बड़ी गलतफहमी' का नतीजा है।

चीन के खेल अखबार 'ल एक्विप' में सोमवार को इंटरव्यू प्रकाशित हुआ है। अखबार ने कहा कि उसने एक दिन पहले बीजिंग के एक होटल में पेंग से एक घंटे तक बात की। चीन की ओलंपिक समिति ने यह इंटरव्यू लेने में मदद की।

इससे पहले अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने एक बयान में कहा कि आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक ने शनिवार को पेंग के साथ डिनर किया और उसने आईओसी सदस्य क्रिस्टी कोवेंट्री के साथ चीन और नॉर्वे का कर्लिंग मैच देखा।

अखबार ने कहा कि उसे सवाल पहले ही भेजने पड़े और चीन की ओलंपिक समिति के एक अधिकारी ने दुभाषिये की भूमिका निभाई।

अखबार ने नवंबर में पेंग की उस सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में पूछा जिसमें उन्होंने चीन के पूर्व उप प्रधानमंत्री और सत्तारूढ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के पोलितब्यूरो की स्थायी समिति के सदस्य झांग गाओली पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

उसके बाद से पेंग सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आई लेकिन सरकार द्वारा आयोजित कुछ प्रचार कार्यक्रमों में यदा कदा दिखी। पेंग ने अखबार से कहा ,'' यौन उत्पीड़न। मैने कभी ऐसा कुछ नहीं कहा। यह बहुत बड़ी गलतफहमी है। उस पोस्ट के अब कोई मायने नहीं निकाले जाने चाहिये।''

विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने से विभिन्न परिस्थितियों में ढलने में मदद मिली: वॉशिंगटन सुंदर

अहमदाबाद। भारतीय हरफनमौला खिलाड़ी वॉशिंगटन सुंदर ने कहा कि विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने से उन्हें विभिन्न परिस्थितियों में ढलने में मदद मिली । वॉशिंगटन सुंदर ने भारतीय टीम में वापसी की और वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिनी में तीन विकेट हासिल किया। भारत ने यह मैच 6 विकेट से जीता।

सुंदर ने कहा कि उन्हें पावरप्ले में गेंदबाजी करने में मजा आता है और घरेलू सेट-अप में खेलने से उन्हें विभिन्न परिस्थितियों में आसानी से ढलने में काफी सहायता मिली।

मैच के बाद सुंदर ने कहा, मुझे पावरप्ले में गेंदबाजी करने में मजा आता है। मैंने विजय हजारे ट्रॉफी में भी यही भूमिका निभाई, मुझे खेल की विभिन्न परिस्थितियों में गेंदबाजी करने में मदद मिली। वहां भी मैंने नई गेंद से बहुत गेंदबाजी की।

पहले एकदिनी मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 43.5 ओवरों में 176 रनों पर सिमट गई। वेस्टइंडीज की तरफ से जेसन होल्डर ने सर्वाधिक 57 रन बनाए। होल्डर के अलावा फैबियन एलन ने 29 रन बनाए।

भारत की ओर से युजवेन्द्र चहल ने 4, वॉशिंगटन सुंदर ने तीन, प्रसिद्ध कृष्णा ने दो और मोहम्मद सिराज ने 1 विकेट लिया। जवाब में भारतीय टीम ने 28 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 178 रन बनाकर जीत हासिल की। भारत के लिए कप्तान रोहित शर्मा ने 60, सूर्यकुमार यादव ने नाबाद 34 और दीपक हुड्डा ने नाबाद 26 रनों की पारियां खेलकर भारत को जीत तक पहुंचाया।

टी20 विश्व कप 2022: पांच घंटे के अंदर बिके भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट

श्रेयस मनोरम

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप ग्रुप स्टेज मैच के टिकट पांच घंटे के भीतर बिक गए हैं! यह मैच 23 अक्टूबर 2022 को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर खेला जाने वाला है। एमसीजी में लगभग 1 लाख लोगों के बैठने की क्षमता है, जो इसे दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियमों में से एक बनाता है। एक फुल-हाउस एमसीजी पर शोर की कल्पना ही की जा सकती है। ऑस्ट्रेलियाई दैनिक समाचार पत्र सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के अनुसार, 23 अक्टूबर को एमसीजी में भारत बनाम पाकिस्तान ग्रुप मैच के लिए 60,000 से अधिक प्री-सेल टिकट पहले ही बेचे जा चुके हैं।

वहीं, आईसीसी ने एक बयान में कहा, टिकट अभी भी आधिकारिक आतिथ्य और आईसीसी यात्रा और पर्यटन कार्यक्रमों के माध्यम से उपलब्ध हो सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आप इस मैच के लिए प्रतीक्षा सूची में शामिल हो सकते हैं और किसी विशिष्ट मैच के लिए किसी भी टिकट रिलीज के विवरण के साथ ईमेल अपडेट प्राप्त कर सकते हैं।

बता दें कि टी-20 विश्व कप के इतिहास दोनों टीमें 23 अक्टूबर को 7वीं बार भिड़ेंगी। इससे पहले हुई 6 भिडंत में भारत 4 जीता है, जबकि पाकिस्तान को सिर्फ 1 बार जीत मिली है। वहीं दोनों टीमों के बीच एक मैच टाई भी रहा है। ये ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप में दोनों टीमों के बीच पहली भिड़ंत होगी।

बाबर आजम की कराची किंग्स लगातार पांचवां मैच हारी

अब पीएसएल के आखिरी चरण के लिये लाहौर जायेगा। अब तक उसने खाता भी नहीं खोला है और एक और हार से उसके लिये दरवाजे बंद हो जायेंगे। इस्लामाबाद के कप्तान

शादाब खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इस्लामाबाद ने छह विकेट पर 177 रन बनाये जिसमें शादाब के 19 गेंद में 34 रन शामिल थे। शादाब ने शानदार हरफनमौला फॉर्म बरकरार रखते हुए 15 रन देकर चार विकेट लिये। कराची की टीम नौ ओवर में 135 रन ही बना सकी। कराची को प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर एक भी मैच खेले बिना टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

महिला आईपीएल जल्द शुरू होगा :जय शाह

नई दिल्ली । महिला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की अगले साल के शुरू में शुरुआत हो सकती है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने कहा है कि बोर्ड टूर्नामेंट को जल्द ही शुरू करने पर काम कर रहा है। उल्लेखनीय है कि पुरुषों के आईपीएल के साथ तीन टीमों वाले 'महिला टी-20 चैलेंज' टूर्नामेंट का भी आयोजन किया जाता है, लेकिन कई लोगों का मानना है कि महिलाएं अधिक टीमों और खिलाड़ियों के साथ अपने स्वयं के विस्तारित टूर्नामेंट की हकदार हैं। महिला टी-20 चैलेंज टूर्नामेंट भले ही इस साल भी जारी रहेगा, लेकिन बीसीसीआई के सचिव जय शाह के मुताबिक चीजें जल्द ही बदल जाएंगी। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने इस संबंध में सोमवार को कहा, मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि बीसीसीआई न केवल निष्ठावान है, बल्कि आईपीएल की तरह जल्द एक पूर्ण महिला लीग शुरू करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहा है। महिला टी-20 चैलेंज के प्रति प्रशंसकों और खिलाड़ियों में भारी दिलचस्पी उत्साहजनक संकेत है और हम इसे पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।÷ उल्लेखनीय है कि देश में कोरोना महामारी से बिगड़े हालात के कारण आईपीएल का पूरा 2020 सीजन और 2021 सीजन का दूसरा चरण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित किया गया था, लेकिन इस बार जय शाह ने आईपीएल 2022 सीजन को भारत में ही आयोजित करने का भरोसा जताया है, जिसके मार्च के पहले हफ्ते में शुरू होने की उम्मीद है।

गुगली मेरा मजबूत हथियार है : युजवेंद्र चहल

अहमदाबाद । भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल ने कहा कि जब वह टीम से बाहर थे तो उन्होंने साइड-आर्म गेंदबाजी पर काम किया और उन्हें एहसास हुआ कि गुगली उनका मजबूत हथियार है।

चहल द्वारा चार विकेट लेने के बाद कप्तान रोहित शर्मा (60) के अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने रविवार को पहले एकदिवसीय मैच में वेस्टइंडीज को छह विकेट से हरा दिया। रोहित के अलावा सूर्यकुमार यादव (34) और दीपक हुड्डा (26) ने भी अच्छी पारियां खेलकर भारत को जीत तक पहुंचाया।

चहल ने बीसीसीआई.टीवी पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कप्तान रोहित शर्मा से कहा, यह एक अच्छा एहसास है, मैंने मेरे करियर में उतार-चढ़ाव देखा गया है। मैंने एकदिवसीय मैचों में 100 विकेट हासिल करने में कामयाबी हासिल की है, यह एक बड़ा क्षण है। मैंने नहीं सोचा था कि मैं अपने करियर की शुरुआत में उपलब्धि हासिल करूंगा। मैंने अपने कोण बदल दिए हैं , अन्य गेंदबाज साइड-आर्म गेंदबाजी करते थे। इसलिए मैंने उस पर काम किया जब मैं टीम में नहीं था।

उन्होंने कहा, ÷मैं दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला में गुगली नहीं कर रहा था। जब बड़े हिट करने वाले बल्लेबाज होते हैं, तो वे स्पिनरों के पीछे जाते हैं। गुगली मेरा मजबूत हथियार है, जितना अधिक मैं इसे फेंकूंगा, उतना ही मुझे सफलता मिलेगी।

बता दें कि पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 43.5 ओवरों में 176 रनों पर सिमट गई। वेस्टइंडीज की तरफ से जेसन होल्डर ने सर्वाधिक 57 रन बनाए। होल्डर के अलावा फैबियन एलन ने 29 रन बनाए।

भारत की ओर से युजवेन्द्र चहल ने 4, वॉशिंगटन सुंदर ने तीन, प्रसिद्ध कृष्णा ने दो और मोहम्मद सिराज ने 1 विकेट लिया। जवाब में भारतीय टीम ने 28 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 178 रन बनाकर जीत हासिल की।

ब्रिटेन-आयरलैंड 2030 विश्व कप की बोली से पीछे हटे, यूरो 2028 पर ध्यान लगाएंगे

लंदन। ब्रिटेन और आयरलैंड ने 2030 फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी की संयुक्त बोली की योजना से सोमवार को पीछे हटने का फैसला किया और इसकी जगह दोनों देश 2028 यूरोपीय चैंपियनशिप का आयोजन करने की दावेदारी पेश करेंगे।

फीफा के शीर्ष पुरुष टूर्नामेंट के आयोजन की दावेदारी की अगुआई इंग्लिश फुटबॉल संघ कर रहा था। इंग्लैंड इससे पहले 2018 टूर्नामेंट की मेजबानी की दौड़ में 2010 में पिछड़ गई थी जिसकी प्रक्रिया दागी रही थी।

ब्रिटेन के पांच संघों ने बयान में कहा, ''व्यावहारिकता अध्ययन में आर्थिक प्रभाव, राजनीतिक फुटबॉल पृष्ठभूमि और बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर संभावित खर्चों का विश्लेषण शामिल हैं।''

उन्होंने कहा, ''पांच संघों ने फैसला किया है कि वे पूरी तरह से ध्यान यूएफा यूरोप 2028 की मेजबानी की आधिकारिक बोली पर लगाएंगे और सहमत हुए हैं कि 2030 फीफा विश्व कप के लिए बोली नहीं लगाएंगे।''

इस फैसले से स्पेन और पुर्तगाल का दावा मजबूत होगा जो 2030 की संयुक्त बोली पर विचार कर रहे हैं।

राहुल, मयंक, सैनी ने दूसरे एकदिवसीय से पहले नेट सत्र में पसीना बहाया

अहमदाबाद। टीम में शामिल होने के बाद पृथकवास पूरा कर चुके भारतीय उप-कप्तान लोकेश राहुल और सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे से पहले सोमवार को नेट सत्र के दौरान अभ्यास किया।

यह टीम इंडिया के सदस्यों के लिए एक वैकल्पिक अभ्यास सत्र था क्योंकि टीम ने एक दिन पहले ही मैच खेला था। भारतीय दल में कोविड-19 पॉजिटिव के कुछ मामले सामने आने के बाद अग्रवाल को टीम में जोड़ा गया था।

घरेलू क्रिकेट में दिल्ली का प्रतिनिधित्व करने वाले के 29 वर्षीय तेज गेंदबाज नवदीप सैनी भी अभ्यास सत्र का हिस्सा थे। बीसीसीआई ने क्रिकेटरों की तस्वीरों के साथ ट्वीट किया, ''देखो यहां कौन हैं।

सालाह पर भारी पड़े माने

सेनेगल ने पहली बार अफ्रीकी कप जीता

याओंडे (कैमरून)। सादियो माने ने आखिरकार सेनेगल को पहली बार अफ्रीकी कप चैम्पियन बनाया जबकि लिवरपूल के उनके साथी मोहम्मद सालाह मिस्र के लिये कोई कमाल नहीं कर सके।

माने ने पेनल्टी शूटआउट में गोल दागकर मैच के निर्धारित समय के भीतर पेनल्टी चूकने का खामियाजा भर दिया।

सेनेगल ने शूटआउट में 4.2 से जीत दर्ज की जबकि निर्धारित समय तक मैच गोलरहित बराबरी पर था।

सेनेगल इससे पहले दो बार अफ्रीकी कप आफ नेशंस फाइनल हार चुका है। तीन साल पहले मिस्र ने उसे हराया था तब माने बुरी तरह से मैदान पर रोने लगे थे। माने ने अपने साथी खिलाड़ियों के साथ जीत का जश्न मनाया लेकिन सालाह को सांत्वना भी दी जिनकी आंखों में आंसू थे। इस मैच को लिवरपूल के दो सितारों माने और सालाह के बीच मुकाबला माना जा रहा था लेकिन यह उतना शानदार हो नहीं सका।

हंगरी तैराकी विश्व चैम्पियनशिप 2022 की मेजबानी करेगा

लुसाने। फिना (तैराकी की वैश्विक संस्थान) के अधिकारियों के साथ हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने तैराकी विश्व चम्पियनशिप 2022 की मेजबानी करने की सोमवार को घोषणा की।

बुडापेस्ट 18 जून से तीन जुलाई तक एक अतिरिक्त विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। कोविड-19 महामारी के कारण जापान में निर्धारित टूर्नामेंट के 2023 तक खिसकने के बाद दो विश्व चैम्पियनशिप के अंतर को कम करने के लिए इसका आयोजन किया जा रहा है।

हंगरी की इस राजधानी ने 2017 में वैश्विक प्रतियोगिता की मेजबानी की और उसे 2027 में भी इसकी मेजबानी करनी है। विश्व चैंपियनशिप आमतौर पर हर दो साल में आयोजित की जाती है।

फिना ने इस प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए तैयार होने पर ओरबन की तारीफ की।

इस खेल के अंतरराष्ट्रीय शासी निकाय के अध्यक्ष हुसैन अल-मुसल्लम ने सोमवार को एक बयान में कहा, '' हम बेहद भाग्यशाली हैं कि हमारे पास ऐसे मेजबान है जो 'एक्रेटिक्स' के लिए हमारे जुनून को साझा करते है। ''

उन्होंने कहा, '' हम जानते हैं कि हमें अपने एथलीटों के लिए मौजूदा स्वास्थ्य संकट से उबारने की जरूरत है और आज का समझौता इस काम को आगे बढ़ायेगा।''

प्रतियोगिता को 2021 में जापान में आयोजित होना था लेकिन पहले उसे तोक्यो ओलंपिक के कारण एक साल के लिए टाला गया और कोविड-19 महामारी के कारण 2023 तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

कोहली द्वारा वनडे डेब्यू कैप प्राप्त करना, सपने के सच होने जैसा : दीपक हुड्डा

अहमदाबाद। भारतीय बल्लेबाज दीपक हुड्डा ने कहा कि पूर्व कप्तान विराट कोहली द्वारा अपना वनडे डेब्यू कैप प्राप्त करना उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा था। दीपक ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय अंतरारष्ट्रीय पदार्पण किया।

दीपक हुड्डा ने अपने पहले वनडे में 32 गेंदों में 26 रन की पारी खेली, जिससे भारत ने रविवार को वेस्टइंडीज को छह विकेट से हरा दिया।

हुड्डा ने ट्वीट किया, देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलने पर मैं वास्तव में सम्मानित और धन्य महसूस कर रहा हूं। विराट कोहली से डेब्यू कैप प्राप्त करना मेरे लिए बहुत ही खास क्षण है और यह किसी सपने के सच होने जैसा है। इस अद्भुत यात्रा में शामिल सभी को धन्यवाद!!

बता दें कि पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 43.5 ओवरों में 176 रनों पर सिमट गई।

वेस्टइंडीज की तरफ से जेसन होल्डर ने सर्वाधिक 57 रन बनाए। होल्डर के अलावा फैबियन एलन ने 29 रन बनाए।

भारत की ओर से युजवेन्द्र चहल ने 4, वॉशिंगटन सुंदर ने तीन, प्रसिद्ध कृष्णा ने दो और मोहम्मद सिराज ने 1 विकेट लिया। जवाब में भारतीय टीम ने 28 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 178 रन बनाकर जीत हासिल की। भारत के लिए कप्तान रोहित शर्मा ने 60, सूर्यकुमार यादव ने नाबाद 34 और दीपक हुड्डा ने नाबाद 26 रनों की पारियां खेलकर भारत को जीत तक पहुंचाया।

गिलक्रिस्ट ने लैंगर को 'दानव' के रूप में पेश करने के लिए सीए को फटकार लगाई

सिडनी। आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने सोमवार को क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) पर निशाना साधते हुए कहा कि बोर्ड ने पूर्व कोच जस्टिन लैंगर की छवि 'दानव' के रूप में बनाई।

वर्ष 2018 में गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण के बाद मुख्य कोच नियुक्त किए गए लैंगर ने शनिवार को अपना पद छोड़ दिया।

गिलक्रिस्ट ने 'सेन रेडियो' से कहा, ''मुझे अब कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोच के पद को लेकर बदलाव या विश्लेषण को लेकर कारपोरेट लोगों की बातें सुनूं।''

उन्होंने कहा, ''इस बात को छिपाने का प्रयास किया जा रहा है कि टीम के कुछ खिलाड़ियों और सहायक स्टाफ से बात की गई और वे नहीं चाहते कि जस्टिन टीम से जुड़ा रहे। कुछ लोगों ने उसकी छवि राक्षस के रूप में बनाई है, जस्टिन लैंगर ऐसा नहीं है।''

लैंगर के साथ खेलने वाले गिलक्रिस्ट ने कहा कि यह पूर्व टेस्ट सलामी बल्लेबाज ऐसा व्यक्ति है जो कमियों को स्वीकार करता है। उन्होंने कहा, ''वह यह स्वीकार करने में सबसे आगे रहेगा कि उसके अंदर कमियां हैं, उसकी कमजोरियां हैं लेकिन वह आपके साथ बैठकर और आपकी आंखों से आंखें मिलाकर आपके साथ इन पर काम करेगा।''

गिलक्रिस्ट ने कहा, ''इसलिए दानव के रूप में छवि बनाने का निजी तौर पर आप पर क्या असर होगा और इसका आपके परिवार और आपके करीबी तथा प्रियजनों पर क्या असर होगा।''

हंगरी तैराकी विश्व चैम्पियनशिप 2022 की मेजबानी करेगा

लुसाने। फिना (तैराकी की वैश्विक संस्थान) के अधिकारियों के साथ हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने तैराकी विश्व चम्पियनशिप 2022 की मेजबानी करने की सोमवार को घोषणा की।

बुडापेस्ट 18 जून से तीन जुलाई तक एक अतिरिक्त विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। कोविड-19 महामारी के कारण जापान में निर्धारित टूर्नामेंट के 2023 तक खिसकने के बाद दो विश्व चैम्पियनशिप के अंतर को कम करने के लिए इसका आयोजन किया जा रहा है।

हंगरी की इस राजधानी ने 2017 में वैश्विक प्रतियोगिता की मेजबानी की और उसे 2027 में भी इसकी मेजबानी करनी है। विश्व चैंपियनशिप आमतौर पर हर दो साल में आयोजित की जाती है।

फिना ने इस प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए तैयार होने पर ओरबन की तारीफ की । इस खेल के अंतरराष्ट्रीय शासी निकाय के अध्यक्ष हुसैन अल-मुसल्लम ने सोमवार को एक बयान में कहा, '' हम बेहद भाग्यशाली हैं कि हमारे पास ऐसे मेजबान है जो 'एक्रेटिक्स' के लिए हमारे जुनून को साझा करते है। ''

उन्होंने कहा, '' हम जानते हैं कि हमें अपने एथलीटों के लिए मौजूदा स्वास्थ्य संकट से उबारने की जरूरत है और आज का समझौता इस काम को आगे बढ़ायेगा।''

एफआईएच प्रो लीग हॉकी में भारत का सामना फ्रांस से

पोटचेफ्स्ट्रूम (दक्षिण अफ्रीका)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता होने के कुछ अतिरिक्त दबाव के साथ भारत 2021-22 एफआईएच प्रो लीग हॉकी टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत मंगलवार को यहां फ्रांस के खिलाफ करेगा। यह टूर्नामेंट भारतीय टीम का इस साल पहला प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट होगा। यह पूछने पर कि क्या ओलंपिक कांस्य पदक विजेता होने का खिलाड़ियों पर अतिरिक्त दबाव होगा, मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा, ''वास्तव में कहूं तो हां, इससे थोड़ा दबाव बनता है लेकिन मुझे नहीं लगता कि अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर जो दबाव हम अपने ऊपर बनाते हैं यह उससे अधिक होता है।''

रोहित के साथ साक्षात्कार में बोले चहल, 'गुगली है मेरा मजबूत हथियार'

अहमदाबाद । भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने रविवार को यहां वेस्ट इंडीज के खिलाफ पहले वनडे मैच में 100वां वनडे विकेट लेने की उपलब्धि हासिल करने के बाद कप्तान रोहित शर्मा के साथ साक्षात्कार में कहा कि उन्होंने साइड-आर्म गेंदबाजी पर काम किया है और गुगली गेंद उनका मजबूत हथियार है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को ट्वीटर पर एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें रोहित मैच के बाद चहल का साक्षात्कार लेते नजर आ रहे हैं। इसमें चहल ने रोहित द्वारा 100 वनडे विकेट की उपलब्धि हासिल करने के बाद कैसा महसूस होने के बारे में पूछे जाने पर कहा, ÷यह एक अच्छा अहसास है। मेरे करियर ने उतार-चढ़ाव देखे हैं। मैं वनडे में 100 विकेट लेने में सफल रहा हूं, यह एक बड़ा क्षण है। यह नहीं सोचा था कि मैं अपने करियर के शुरुआती दिनों में यह उपलब्धि हासिल कर लूंगा। मैंने अपने एंगल बदल लिए हैं। दूसरे गेंदबाज साइड-आर्म गेंदबाजी करते थे, इसलिए जब मैं टीम में

नहीं था तो मैंने इस पर काम किया। रोहित ने साक्षात्कार के अंत में चहल को बधाई देते हुए कहा, आप हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, मैं चाहता हूं कि आप भी इसी मानसिकता के साथ खेलें। उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, इसलिए मानसिकता को सही जगह पर रखना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि चहल ने अब 60 वनडे मैचों में 103 विकेट अपने नाम कर लिए हैं। वह मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव के बाद सबसे तेज 100 वनडे विकेट के आंकड़े तक पहुंचने वाले चौथे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उनकी शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने रविवार को वेस्ट इंडीज को पहले वनडे में आसानी से छह विकेट से हरा दिया था।